घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 297- रविवार 30- अगस्त 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

नेपाल में अब तक 682 मौतें,3000 लापता

ग्लेशियर टूटने से तबाही आई..800 मीटर लंबा हिस्सा टूटकर गिरा

काठमांडू,29 अगस्त 2026। नेपाल में 26 अगस्त को ग्लेशियर टूटने और भूस्खलन के बाद अचानक बाढ़ आई थी। अब घटना के तीन दिन बाद ग्लेशियर टूटने का वीडियो सामने आया है। टूर गाइड के एक ग्रुप ने तिब्बत में एक ऊंची जगह से इसे कैमरे में रिकॉर्ड किया। वीडियो में नेपाल की सीमा के पास बर्फ से ढके पहाड़ और ग्लेशियर दिखाई दे रहे हैं। अचानक ग्लेशियर की बर्फ और चट्टानों का करीब 800 मीटर लंबा हिस्सा टूटकर नीचे घाटी में गिरता नजर आता है। हिमस्खलन के बाद धूल और मलबा पूरे इलाके में फैल जाता है। वीडियो में नीचे की ओर बहता पानी और मलबा भी दिखाई दे रहा है। ग्रुप जब नीचे उतरा तो रास्ते बंद मिले। इसके बाद उन्हें पता चला कि ग्लेशियर टूटने और भूस्खलन के बाद इलाके में आई बाढ़ से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। नेपाल में इस आपदा से 682 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तिब्बत में 7 लोगों की मौत की पुष्टी की गई है। करीब 3000 लोग लापता हैं। इनमें 320 भारतीय भी शामिल हैं। 400 भारतीय अभी तिब्बत में फंसे हुए हैं।

बाढ़ ने प्रोजेक्ट की सुरक्षा पर सवाल उठाए

हिमालयी क्षेत्र में भूस्खलन, हिमस्खलन और ग्लेशियल झील फटने जैसी घटनाओं का खतरा रहता है। जलवायु परिवर्तन के साथ इन जोखिमों के बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। बाढ़ के बाद अब सवाल उठ रहा है कि नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट कहां बनाए जाएं और उन्हें ऐसे प्राकृतिक खतरों से बचाने के लिए किस तरह डिजाइन किया जाए। विशेषज्ञ छोटे प्रोजेक्टों की मजबूती और बड़े जलाशयों की जरूरत पर भी चर्चा कर रहे हैं।

नेपाल बाढ़ पीड़ितों के लिए पुरी बीच पर खास संदेश

ओडिशा के पुरी बीच पर रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने नेपाल बाढ़ के पीड़ितों के प्रति एकजुटता जताई। उन्होंने नेपाली झंडे और प्रे फॉर नेपाल' संदेश के साथ रेत की कलाकृति बनाकर प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना की।

नेपाल की हाइड्रोपावर इंडस्ट्री पर बाढ़ का खतरा

नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने देश की हाइड्रोपावर इंडस्ट्री पर बड़ा असर डाला है। भोटेकोशी और त्रिशूली घाटियों में बाढ़ से 14 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट प्रभावित हुए हैं। इनमें 6 निर्माणाधीन प्रोजेक्ट भी शामिल हैं। नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के मुताबिक, बाढ़ के बाद 431 MW बिजली उत्पादन क्षमता बंद हो गई। यह देश की कुल उत्पादन क्षमता का 12% से ज्यादा है। निर्माणाधीन प्रोजेक्टों को भी जोड़ने पर प्रभावित क्षमता करीब दोगुनी हो जाती है।

पनबिजली सुरंगों में सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका

नेपाली सेना ने कुछ स्थलों से श्रमिकों को बचाया, लेकिन त्रिशुली गलियारे में स्थित परियोजनाओं में पहुंच अभी भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है। भोटेकोशी बाढ़ के बाद पनबिजली सुरंगों में सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। नेपाली सेना के जवान भोटेकोशी बाढ़ के बाद रसुवा में एक जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे लोगों को बचा रहे हैं।

सक्षिप्त समाचार

प्रयागराज में भारी बारिश के बीच स्वामीनारायण मंदिर का तीन मंजिला हिस्सा भरभराकर गिरा

प्रयागराज,29 अगस्त 2026। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच बड़ा हादसा टल गया। जॉर्ज टाउन थाना क्षेत्र में स्थित स्वामीनारायण मंदिर का तीन मंजिला हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। मंदिर का हिस्सा गिरने के दौरान तेज आवाज हुई,जिसके बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि घटना रात के समय हुई और उस वक्त मंदिर के क्षतिग्रस्त हिस्से में कोई मौजूद नहीं था। इसके चलते हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि मंदिर का जिस हिस्से को नुकसान पहुंचा है,उसका इस्तेमाल मुख्य रूप से धर्मशाला के तौर पर किया जाता था। यहां बाहर से आने वाले श्रद्धालु ठहरते थे। खासकर दक्षिण भारत से प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के रुकने की व्यवस्था इस हिस्से में की जाती थी। मंदिर के सुरक्षा गार्ड सूबेदार सिंह के मुताबिक,स्वामीनारायण मंदिर केपी कम्युनिटी सेंटर के सामने जॉर्ज टाउन थाना क्षेत्र में स्थित है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना-जाना रहता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मंदिर के पास एक इमारत के निर्माण के लिए बड़ा गड्ढा खोदा गया था।

मध्यप्रदेश के महाकाल मंदिर को सावन में शीघ्र दर्शन से हुई 14.22 करोड़ की आय

भोपाल,29 अगस्त 2026। मध्य प्रदेश में इस वर्ष श्रावण मास के दौरान उज्जैन जिला स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर में आस्था का नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। एक माह के दौरान भगवान महाकाल के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा पहली बार डेढ़ करोड़ के पार दर्ज किया गया है। मंदिर समिति को इस दौरान शीघ्र दर्शन टिकटों और लड्डू प्रसादी की बिक्री से करोड़ों रुपये की रिकॉर्ड आय प्राप्त हुई है। खगोलशास्त्र श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार, श्रावण मास में कुल 1 करोड़ 53 लाख 75 हजार श्रद्धालु महाकाल की शरण में पहुंचे,जो वर्ष 2025 में दर्ज 72 लाख श्रद्धालुओं की तुलना में दोगुनी से भी अधिक संख्या है।

ताशकंद पहुंचते ही राष्ट्रपति शौकत ने किया मोदी का गर्मजोशी भरा स्वागत स्वतंत्रता स्मारक पर अर्पित की पुष्पांजलि

ताशकंद,29 अगस्त 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद पहुंचे, जहां राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने उनका गर्मजोशी भरा स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने इस स्वागत के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का आभार जताते हुए कहा कि उज्बेकिस्तान की उनकी यह चौथी यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और उनमें लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद पहुंचने के बाद 'एक्स' पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ''ताशकंद पहुंचा, जहां राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया। इस विशेष भाव के लिए मैं उनका आभारी हूं।'' उन्होंने उज्बेक भाषा में भी अपने संदेश को साझा किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क स्थित स्वतंत्रता स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मिर्जियोयेव भी मौजूद रहे। सैन्य सम्मान के साथ आयोजित औपचारिक समारोह में

प्रधानमंत्री ने स्मारक के समक्ष कुछ क्षण खड़े होकर सम्मान व्यक्त किया। बाद में उन्होंने राष्ट्रपति मिर्जियोयेव और अन्य अधिकारियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री की 29-30 अगस्त की उज्बेकिस्तान यात्रा उनकी इस देश की चौथी यात्रा है। यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, डिजिटल संपर्क और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। दोनों पक्ष भारत के 'विकसित भारत' और उज्बेकिस्तान के 'यांगी उज्बेकिस्तान' के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार करेंगे।

Everest हींग की बिक्री पर लगी रोक,गरम मसाला और चिकन मसाला भी जांच के घेरे में

नई दिल्ली,29 अगस्त 2026। FSSAI यानी भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने दो बड़े मसाला ब्रांड्स एवरेस्ट और लालजी गोधू के कम्पाउंडेड हींग पर बिक्री रोकने का आदेश जारी कर दिया है। यह फैसला दोनों कंपनियों के हींग के सैंपल जांच में मानकों से नीचे पाए जाने के बाद लिया गया है। एजेंसी ने साफ किया है कि यह बैन सिर्फ हींग प्रोडक्ट्स पर लागू है और इन कंपनियों के अंडा करी मसाला, चिकन करी मसाला या गरम मसाला जैसे बाकी प्रोडक्ट्स पर कोई रोक नहीं है। यह जांच एक उपभोक्ता की शिकायत के बाद शुरू हुई थी, जिसके बाद पूरे बाजार में मौजूद हींग ब्रांड्स की जांच की गई मामले की शुरुआत तब हुई जब एक ग्राहक ने किसी खास ब्रांड की हींग की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद स्नस्स्ढ्ढ ने बाजार में मौजूद सभी बड़े हींग ब्रांड्स की जांच शुरू की। शुरुआती लैब रिपोर्ट में सामने आया कि एवरेस्ट और लालजी गोधू, दोनों कंपनियों के कम्पाउंडेड हींग तय मानकों पर खरे नहीं उतरे। इसके बाद मुंबई में स्थित इन दोनों कंपनियों की सेंट्रल लाइसेंस वाली यूनिट्स से सैंपल लिए गए और जांच के लिए भेजे गए। इतना ही नहीं, गुजरात के उम्बरगांव में एवरेस्ट की एक और यूनिट पर गुजरात राज्य के खाद्य विभाग के साथ मिलकर सैंपलिंग की गई। जांच में सभी सैंपल घटिया गुणवत्ता के पाए गए। नियमों के मुताबिक कम्पाउंडेड हींग बनाने के लिए असली

हींग को गोंद,स्टार्च और आटे के साथ मिलाया जाता है, लेकिन इसमें कम से कम 5 प्रतिशत अल्कोहल सॉल्युबल एक्सट्रैक्ट होना जरूरी है। जांच में पाया गया कि इन कंपनियों के प्रोडक्ट्स में यह मात्रा सिर्फ 0 से 3 प्रतिशत ही थी, यानी असली हींग तय मात्रा से करीब 30 से 40 प्रतिशत कम मिलाई जा रही थी। इसके अलावा लालजी गोधू की यूनिट से ली गई असली हींग की छह किस्मों की भी जांच हुई। नियम के अनुसार असली हींग में स्टार्च की मात्रा एक प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए, लेकिन जांच में इन छह किस्मों में स्टार्च की मात्रा 15 से 32 प्रतिशत तक पाई गई, जो तय सीमा से कहीं ज्यादा है। इन गंभीर गड़बड़ियों को देखते हुए FSSAI ने दोनों कंपनियों पर बिक्री प्रतिबंध का आदेश जारी किया है। यह कदम उपभोक्ताओं की सेहत की सुरक्षा के लिए एक एहतियाती कार्रवाई है।

पैकेट वाले खाने पर दिखेगा लाल निशान... ज्यादा चीनी-नमक और फैट पर मिलेगी चेतावनी

नई दिल्ली,29 अगस्त 2026। पैक्ड फूड खाने वालों के लिए आने वाले दिनों में पैकेट की फ्रंट साइड पर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने ज्यादा चीनी, सैचुरेटेड फैट और नमक वाले पैक्ड फूड प्रोडक्ट्स पर लाल रंग का षट्कोणीय चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव रखा है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दाखिल किए गए हलफनामे में रखा है। यह मामला एक जनहित याचिका से जुड़ा है,जिसमें हाई शुगर, हाई फैट और हाई सॉल्ट वाले पैक्ड फूड पर पैकेट के सामने अनिवार्य चेतावनी लेबल लगाने की मांग की गई थी।

पैकेट के सामने दिखेगा लाल चेतावनी लेबल

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के छह पन्नों के हलफनामे के अनुसार, प्रस्तावित व्यवस्था में उन पैक्ड फूड प्रोडक्ट्स पर लाल रंग का छह-कोने वाला चेतावनी चिन्ह लगाया जाएगा, जिनमें तय सीमा से ज्यादा मात्रा में एडेड सैचुरेटेड फैट, एडेड शुगर और नमक में से दो या उससे अधिक पोषक तत्व मौजूद होंगे। इन

पोषक तत्वों की सीमा आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान की ओर से जारी 'भारतीयों के लिए आहार संबंधी दिशानिर्देश, 2024' के आधार पर तय की जाएगी।

ग्राहकों को सीधे मिलेगी पोषण संबंधी चेतावनी : प्रस्तावित लेबल में उत्पाद के हिसाब से 'ज्यादा फैट','ज्यादा चीनी', 'ज्यादा नमक' और 'बहुत ज्यादा मीठा पेय' जैसी चेतावनियां दिखाई जा सकती हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने चेतावनी के फॉन्ट को भी प्रमुख रखने का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी का फॉन्ट पैकेट के पीछे मौजूद न्यूट्रिशन इंफॉर्मेशन टेबल में इस्तेमाल किए गए फॉन्ट से एक पॉइंट बड़ा होगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहक पैकेट खरीदते समय चेतावनी को आसानी से पढ़ सकें।

दो चरणों में लागू होगा फ्रंट-ऑफ-पैक वॉर्निंग सिस्टम

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने फ्रंट-ऑफ-पैक वॉर्निंग सिस्टम को दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव रखा है। पहले चरण में उन उत्पादों को शामिल किया जाएगा,जिनमें तय सीमा से ज्यादा मात्रा में दो या उससे अधिक संबंधित पोषक तत्व मौजूद हैं। कुछ विशेष मीठे पेय पदार्थों को भी इस चरण में शामिल करने का प्रस्ताव है। दूसरे चरण में नियम का दायरा बढ़ाकर उन उत्पादों तक किया जाएगा, जिनमें तय पोषक तत्वों में से कोई एक भी निर्धारित सीमा से ज्यादा होगा। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के मुताबिक, चरणबद्ध तरीके से नियम लागू करने से खाद्य उद्योग को अपने उत्पादों के फॉर्मूले में आवश्यक बदलाव करने के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। साथ ही उपभोक्ताओं के जानकारी के अधिकार को भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का कहना है कि प्रस्तावित फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी व्यवस्था का उद्देश्य उपभोक्ताओं को ज्यादा समझदारी से खाद्य पदार्थ चुनने में मदद करना है।

राहुल गांधी ने प्रोजेक्टर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भाषण दिखाया...कहा...

हल्द्वानी में उनकी सभा के बाद मंच का शुद्धीकरण हुआ,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोषियों पर एक्शन लें

नई दिल्ली,29 अगस्त 2026। राहुल गांधी दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रोजेक्टर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भाषण दिखाया। राहुल ने कहा कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में उनके भाषण के बाद मंच का शुद्धीकरण किया गया। प्रधानमंत्री दोषियों पर एक्शन लें। दलितों पर सदियों से अत्याचार हो रहा है। देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई है।

हर जगह दलितों का अपमान

हजारों साल से इस देश में दलितों पर अत्याचार, हिंसा की गई है। संविधान में यह गैरकानूनी है। लेकिन आज भी स्कूल में दलित बच्चों से टॉयलेट साफ कराया जाता है। झाड़ू-पोछा लगवाया जाता है। यह हिंदुस्तान की रियलिटी है। कई गांवों में उन्हें सार्वजनिक कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता, इसलिए अलग कुआं खोदना पड़ता है। चाय की दुकानों पर अलग-अलग कप रखे जाते हैं- दलितों के लिए अलग, बाकी लोगों के लिए अलग। शादी जैसे खुशी के मौके पर भी दलित दूल्हों को घोड़ी पर बैठने से रोका जाता है। कई बार पत्थरबाजी और मारपीट तक होती है। कुछ लोग सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनकर बारात निकालते हैं। यह सिर्फ गांवों की नहीं, उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के कई हिस्सों की हकीकत है।

जितनी बुलंद आवाज,उतना तेज हमला

राहुल गांधी ने कहा कि जब राजस्थान में कांग्रेस के सीएलपी टीकाराम जूली मंदिर जाते हैं, तो बीजेपी और आरएसएस के लोग उस मंदिर का शुद्धीकरण करवाते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे हल्द्वानी के रामलीला मैदान में भाषण देने गए, तो वहां भी शुद्धीकरण किया गया। उनकी ही पार्टी के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री रहे जीतन राम मांझी जी जब एक मंदिर में गए, तो मंदिर का शुद्धीकरण किया गया। 8 अगस्त को खड़गे की हल्द्वानी के रामलीला मैदान में रैली हुई दो दिन बाद 10 अगस्त को बीजेपी और आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने हवन कर मंच का शुद्धीकरण किया। खड़गे ने 13 अगस्त को संसद में इस घटना का जिक्र करते हुए इसे दलितों का अपमान बताया। उन्होंने कहा, 'मैं दलित हूं, शुद्धीकरण के नाम पर मेरा अपमान किया गया।'

ममता बनर्जी की बढ़ी मुश्किलें...पूर्व सीएम पर हाईकोर्ट के आदेश के उल्लंघन का आरोप,पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

कोलकाता,29 अगस्त 2026। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के छात्र संगठन तृणमूल छात्र परिषद के आयोजकों के खिलाफ हेस्टिंग्स थाने में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला 28 अगस्त को संगठन के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन को लेकर दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार, कार्यक्रम में शामिल समर्थकों ने कथित तौर पर बैरिकेड हटा दिए और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की। इसके अलावा कैथेड्रल रोड पर यातायात भी बाधित हुआ। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कार्यक्रम अदालत की ओर से तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी जारी रहा। मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 61(2), 223, 125(ए), 132 और 285 के तहत दर्ज किया गया है। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने 28 अगस्त को अपने समर्थकों से राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकने और भाजपा में शामिल नहीं होने की अपील की। उन्होंने अपनी पार्टी की छात्र इकाई तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही सत्ता में वापस आएगी और एक नया राजनीतिक इतिहास

लिखेगी। ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं अपने साथियों से कहती हूं कि मजबूत और निडर बने रहें। जरूरत पड़े तो एक महीने तक जेल का खाना खाएं, लेकिन राजनीतिक रूप से आत्मसमर्पण न करें।' उन्होंने पार्टी के युवा समर्थकों से कहा कि तृणमूल कांग्रेस ही उनके लिए एकमात्र सहारा है। उन्होंने कहा कि युवाओं और महिलाओं को इस लड़ाई को आगे बढ़ाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके जैसे लोग, जो छात्र राजनीति से उठकर सत्ता तक पहुंचे हैं, उन्हें डराया नहीं जा सकता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जल्द ही छात्र संघ चुनाव कराए जाएंगे। विपक्ष और अन्य वर्गों की ओर से लंबे समय से छात्र संघ चुनाव कराने की मांग की जा रही है।

रक्षाबंधन की रात बीजेपी नेता की हत्या से मचा हड़कंप

बरेली,29 अगस्त 2026। बरेली के सुभाषनगर क्षेत्र में रक्षाबंधन की रात पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में बीजेपी नेता सचिन कश्यप की हत्या कर दी गई। वह मढ़ीनाथ मंडल में बीजेपी ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष थे। पुलिस के मुताबिक,पुराने विवाद को लेकर दोनों पक्षों में दोबारा कहासुनी हुई,जिसके बाद सचिन पर चाकू से हमला किया गया। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में रक्षाबंधन की रात एक वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। थाना सुभाषनगर क्षेत्र के मढ़ीनाथ मोहल्ले में मांझे वाली बगिया के पास बीजेपी के स्थानीय नेता सचिन कश्यप की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि सचिन कश्यप का कुछ

स्थानीय लोगों के साथ रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। यह विवाद करीब एक महीने पुराना बताया जा रहा है। इससे पहले भी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और मारपीट हो चुकी थी। उस समय मोहल्ले के वरिष्ठ लोगों और परिचितों ने दोनों पक्षों के बीच हस्तक्षेप किया था। बातचीत के बाद लिखित समझौता भी कराया गया था। समझौते के बाद मामला शांत दिखाई दे रहा था,लेकिन आरोप है कि पुरानी रंजिश पूरी तरह खत्म नहीं हुई थी। सचिन कश्यप मढ़ीनाथ मंडल में बीजेपी के ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत थे। उनकी हत्या की जानकारी सामने आने के बाद इलाके में तनाव और शोक का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, रक्षाबंधन की रात सचिन कश्यप मढ़ीनाथ इलाके में मांझे वाली बगिया के पास मौजूद थे।

रसोई का बजट बिगड़ा...प्याज 80 रुपये के पार

नई दिल्ली,29 अगस्त 2026। रसोई में इस्तेमाल होने वाला प्याज एक बार फिर आम लोगों के घरेलू बजट पर असर डाल रहा है। देश के कुछ हिस्सों में प्याज की खुदरा कीमतों में अचानक तेजी देखने को मिल रही है। कई बाजारों में इसका भाव 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की खबर है। बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने बफर स्टॉक से प्याज बाजार में उतारने, कम कीमत पर बिक्री करने और कांदा एक्सप्रेस के

जरिए बड़े उपभोक्ता बाजारों तक आपूर्ति बढ़ाने जैसे कदम उठाए हैं। हालांकि, इसके बावजूद कुछ इलाकों में उपभोक्ताओं को महंगे दाम पर प्याज खरीदना पड़ रहा है। प्याज की कीमतों को लेकर अलग-अलग बाजारों से सामने आ रहे आंकड़ों के बीच सरकारी आंकड़े कुछ अलग तस्वीर दिखाते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 28 अगस्त को देश में प्याज का औसत खुदरा भाव करीब 37.87 रुपये प्रति किलो था। इसका मतलब है कि 80 रुपये प्रति किलो की कीमत पूरे देश का औसत भाव नहीं है। यह कीमत कुछ विशेष इलाकों और बाजारों में दर्ज की जा रही है, जहां स्थानीय स्तर पर आपूर्ति और मांग का असर अधिक है।

मध्यप्रदेश के चित्रकूट में बाढ़,300मीटर लंबा बड़ा पुल बहा

चित्रकूट/सतना,29 अगस्त 2026। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। नदियां और नाले उफान पर हैं और कई इलाकों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। चित्रकूट में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद रामघाट समेत आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। वहीं गोरगी बांध के टूटने की सूचना के बाद प्रशासन और राहत-बचाव दलों की सक्रियता बढ़ गई है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के जलस्तर में अचानक तेज बढ़ोतरी से रामघाट क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए। नदी करीब 30

फीट उफान पर होने की बात सामने आ रही है। पानी तेजी से निचले इलाकों में पहुंचा, जिससे घाट और आसपास के क्षेत्र प्रभावित हुए रामघाट का करीब 300 मीटर लंबा पुल बाढ़ के तेज बहाव की चपेट में आने से बहने की सूचना है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से आवागमन प्रभावित हुआ है और दोनों ओर से आने-जाने वाले लोगों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। बाढ़ का पानी भरत घाट क्षेत्र में भी पहुंच गया। यहां एक दो मंजिला मकान पानी में डूबने की स्थिति में पहुंच गया। बताया जा रहा है कि मकान में मौजूद परिवार बाहर निकलने की कोशिश में फंस गया और बाद में नाव के जरिए सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की कवायद की गई बाढ़ की गंभीरता को देखते हुए निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है।

संपादकीय

एक कमेंट से पत्थर तक: आखिर हम कब सीखेंगे कि सोशल मीडिया खिलौना नहीं है?

बिलासपुर की हिंसक झड़प ने फिर चेताया...शब्द स्क्रीन पर लिखे जाते हैं,लेकिन उनका असर सड़क तक पहुंच सकता है। बिलासपुर के खपरगंज में सोशल मीडिया पर किए गए कथित आपत्तिजनक कमेंट से शुरू हुआ विवाद देर रात दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प और पथराव तक पहुंच गया। स्थिति संभालने पहुंची पुलिस भी पथराव की चपेट में आई और थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की खबर सामने आई है। हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा और इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किया गया।

यह घटना केवल बिलासपुर की कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है। यह हमारे बदलते सामाजिक व्यवहार का आईना भी है। सवाल यह है कि आखिर सोशल मीडिया पर लिखे कुछ शब्द इतने शक्तिशाली कैसे हो गए कि वे कुछ ही घंटों में दो पक्षों को आमने-सामने खड़ा कर दें और पत्थर पुलिस पर बरसने लगें?

सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच दिया है,लेकिन दुर्भाग्य यह है कि हमने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को जिम्मेदारी से अलग कर दिया है। मोबाइल की स्क्रीन के पीछे बैठकर लिखे गए शब्दों का परिणाम सामने वाले चेहरे पर नहीं दिखता। इसलिए गुस्से में लिखना आसान है,अपमान करना आसान है और उकसाना भी आसान है। लेकिन वही शब्द जब सैकड़ों लोगों तक पहुंचते हैं तो उनका असर व्यक्तिगत नहीं रहता, सामूहिक हो जाता है।

बिलासपुर की घटना में सबसे चिंताजनक पहलू यही है कि विवाद को संभालने पहुंची पुलिस पर ही पथराव किया गया। पुलिसकर्मी किसी पक्ष के नहीं होते। वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पहुंचते हैं। उनके ऊपर पत्थर चलना केवल एक व्यक्ति या पुलिस टीम पर हमला नहीं, बल्कि उस व्यवस्था को चुनौती है जिसके भरोसे आम नागरिक अपनी सुरक्षा सुनिश्चित मानता है।

लेकिन इस घटना का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि सोशल मीडिया पर वास्तव में आपत्तिजनक या उकसाने वाली सामग्री पोस्ट की गई थी, तो उसका जवाब कानून के रास्ते से दिया जाना चाहिए था। शिकायत की जा सकती थी, पोस्ट की रिपोर्ट की जा सकती थी,पुलिस में आवेदन दिया जा सकता था। किसी टिप्पणी का जवाब पत्थर से देना समाज को उस रास्ते पर ले जाता है जहां कल किसी दूसरे शब्द पर फिर हिंसा हो सकती है। कमेंट का जवाब कमेंट से हो सकता है, शिकायत से हो सकता है, कानून से हो सकता है—पत्थर से नहीं।

आज सोशल मीडिया हमारे समाज का नया चौक बन गया है। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले गांव के चौक पर विवाद कुछ लोगों तक सीमित रहता था, अब मोबाइल की एक पोस्ट हजारों लोगों तक पहुंच सकती है। पहले अफवाह फैलने में समय लगता था,अब कुछ सेकंड काफी हैं। इसलिए सोशल मीडिया के दौर में संयम पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया और लोगों से शांति बनाए रखने तथा अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। यह तत्काल आवश्यकता है,लेकिन दीर्घकालिक समाधान केवल पुलिस बल बढ़ाना नहीं हो सकता। समाज को यह समझना होगा कि हर विवाद का समाधान भीड़ नहीं कर सकती।

कानून का काम पुलिस और न्यायालय को करने देना होगा...

यदि किसी ने आपत्तिजनक पोस्ट की हैतो उसकी जांच हो,पोस्ट का वास्तविक संदर्भ सामने आए,दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई हो। लेकिन अफवाह,अधूरी जानकारी और सोशल मीडिया पर वायरल दावों के आधार पर भीड़ को न्याय करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता।

इस घटना से पुलिस के लिए भी एक सबक निकलता है। सोशल मीडिया पर संवेदनशील टिप्पणियों को हल्के में लेना अब संभव नहीं है। विवादित पोस्ट सामने आने के बाद शुरुआती स्तर पर निगरानी, दोनों पक्षों से संवाद और संभावित तनाव वाले इलाकों में समय रहते पुलिस की मौजूदगी कई बार बड़े विवाद को रोक सकती है। डिजिटल युग में कानून-व्यवस्था केवल सड़क पर गश्त करने से नहीं,डिजिटल स्पेस पर पैदा हो रहे तनाव को समझने से भी जुड़ गई है।

समाज के जिम्मेदार लोगों की भूमिका भी कम नहीं है। धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक नेताओं को ऐसे समय में आग में घी डालने के बजाय पानी डालने की भूमिका निभानी चाहिए। एक बयान भीड़ को शांत कर सकता है और वही बयान भीड़ को भड़का भी सकता है। इसलिए सार्वजनिक जीवन में शब्दों की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

बिलासपुर की घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि समाज में असहमति होना अपराध नहीं है। विचार अलग हो सकते हैं,राजनीतिक मत अलग हो सकते हैं,धार्मिक भावनाएं अलग हो सकती हैं। लेकिन असहमति का लोकतांत्रिक रास्ता संवाद और कानून है। जब असहमति पत्थर उठाने लगे तो लोकतंत्र पीछे और भीड़ आगे आ जाती है।

आज जरूरत केवल आरोपियों को पकड़ने की नहीं है। जरूरत उस मानसिकता पर रोक लगाने की है जिसमें कोई व्यक्ति स्क्रीन पर लिखे शब्दों को अपनी प्रतिष्ठा पर हमला मानकर कानून हाथ में लेने को तैयार हो जाता है। बिलासपुर की रात में चले पत्थर शायद सुबह सड़क से हटा दिए जाएंगे। घायल पुलिसकर्मी उपचार के बाद ड्यूटी पर लौट आएंगे। इलाके में तैनात अतिरिक्त बल भी धीरे-धीरे हट जाएगा। लेकिन समाज के सामने असली सवाल तब भी खड़ा रहेगा।

क्या हम सोशल मीडिया पर लिखे हर शब्द का जवाब हिंसा से देंगे?

अगर जवाब 'नहीं' है तो हमें यह बात केवल पुलिस की अपील के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक संकल्प के रूप में स्वीकार करनी होगी।

शब्दों की गर्मी को कानून की ठंडक से शांत करना होगा...

कमेंट को अपराध बनने से पहले शिकायत का रास्ता देना होगा। और विवाद को हिंसा बनने से पहले संवाद में बदलना होगा। क्योंकि एक सभ्य समाज की पहचान यह नहीं कि वहां विवाद नहीं होते। सभ्य समाज की पहचान यह है कि विवाद होने के बाद भी पत्थर नहीं उठते।

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

ललित गर्ग
पटपड़गंज,
नई दिल्ली

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है,लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरों के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है,बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा,जिससे बर्फ, चट्टान,मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी,यह ग्लेशियर,भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है।

इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां,भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है,जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए।

नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी,2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़,भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें,सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं,होटल,बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है,मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो,अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन,रडार,नदी सेंसर,ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरुआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश,सायरन,रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है।

नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल,चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल-प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन,ग्लेशियर झील और हिम स्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा-पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग 'माउंटेन सेफ्टी पॉलिसी' पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम,जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग,भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई,नदी किनारे अनियोजित निर्माण,पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं। दुनिया को जापान,स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा-प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है,इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं,बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं,उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना,जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना,वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया,तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा,वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा।

ज्यादा मत देना,परमात्मा

प्रोफेसर शामलाल
कौशल
रोहतक,हरियाणा

आज के इस भौतिकतावाद तथा बढ़ती प्रतियोगिता के युग में जब सभी लोग धन, सम्पदा, शौहरत, संतान तथा प्रसिद्धि को ज्यादा से ज्यादा प्राप्त कर लेना चाहतेहैं इस लेख का शीर्षक ज्यादा मत देना, परमात्मा हास्यप्रद तथा मूर्खतापूर्ण लगता होगा। मैं जब कभी भी परमात्मा से प्रार्थना करता हूं तो कहता हूं कि हे परमात्मा जितने की मुझे ज़रूरत है,यह तो तुझे पता ही है,उतना तो ज़रूर देना। हां अगर ज्यादा मेहरबान हो तो उससे थोड़ा ज्यादा दे देना ताकि अचानक दुःख-सुख की ज़रूरतें पूरी हो सके। लेकिन बहुत ज्यादा ना देना। आपने देखा होगा कि जो गरीब-अभावग्रस्त लोग होते हैं वे अपक्षाकृत ज्यादा परिश्रमी,इमानदार,समर्पित भावना वाले, अपने परिवार के साथ उठ बैठकर हंसने खेलने वाले संतोषी लोग होते हैं। इनका परमात्मा में अपेक्षाकृत ज्यादा विश्वास होता है,वे एक दूसरे की दुःख-सुख में दिलों जान से मदद करते हैं। उनमें परमात्मा के नाम का भय भी होता है। वे साधारण जीवन तथा उच्च विचारों वाले लोग होते हैं। चाहे उनके पास इतना सामथर्य नहीं होता फिर भी वे दूसरों की मदद करना चाहते हैं। अगर किसी मित्र,सहयोगी या फिर अजनबी को खून की ज़रूरत पड़ जाये अमीर आदमी तो अपने पैसे की धौंस जमायेगा लेकिन अपना या फिर अपने परिवार के किसी सदस्य का खून नहीं देगा। लेकिन एक गरीब या फिर अभावग्रस्त आदमी इनसानियत के नाते बिना पैसा लिये खून देने के लिये तैयार हो जाएगा। बेशक आजकल वह बात नहीं रही,फिर भी कुल मिलाकर गरीब आदमी अमीर के मुकाबले ज्यादा विश्वास पात्र,इमानदार,त्याग तथा समर्पित भावना वाला होता है। इन्हीं बातों को लेकर मैं परमात्मा से दुआ करता हूं कि हे परमात्मा जितना मुझे जरूरत है,उतना तो जरूरत देना लेकिन बहुत ज्यादा मत देना। क्योंकि मेरा मानना है कि ज़रूरत से ज्यादा होना आदमी का दिमाग खराब कर देता है वह अहंकारी तथा अपनों से दूर हो जाता है। एक अनुमान के अनुसार हमारे देश के लगभग 20 प्रतिशत लोगों के पास कुल धन सम्पत्ति का लगभग 80 प्रतिशत है। कुछ अपवादों को अगर छोड़ दिया जाये तो आय कम होने के बावजूद भी यह 20 प्रतिशत लोग अपेक्षाकृत ज्यादा संतोषी, ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखने वाले, एक दूसरे के प्रति इमानदार तथा सहायता करने वाले तथा जुबान के पक्के मिलेंगे। इन लोगों में ही सेना पुलिस में भर्ती होकर देश की सेवा,सीमाओं की रक्षा रक्षा करते हैं तथा त्याग करते हैं। इनकी इच्छाए बहुत सीमित होती हैं आकाश की ऊंचाईयां नापने के सपने कम होते हैं। लेकिन जैसे-2 आदमी के पास हेराफेरी, बेइमानी, रिश्वत,काला बाज़ारी, मिलावट आदि के कारण पैसा जयादा आने लगता है उसके विचार बदलने लग जाते हैं, अहंकार,क्रोध, लोभ,स्वार्थ तथा पैसे के प्रदर्शन की भावना बढ़ जाती है। पैसा, पैसा और हाय। पैसा। हर समय पैसा ही हावी रहता है। पैसा आदमी को पागल बना देता है,वह इन्सानियत भूल उन लोगों के साथ सम्बन्ध बनाने तथा काम करने की सोचता हैं जहां कि उसके पैसे में वृद्धि हो। मां बाप की सेवा करना, गरीब रिश्तेदार या मित्र के साथ पहले की तरह शांति व चैन से मिल बैठकर गप्पतें लगाना उसके लिये अपने स्टैंडर्ड से नीचे की बात हो जाती है। आमतौर पर धनवान लोग बहुत कम इक्ट्ठे बैठकर खाना खाते होंगे,बहुत कम वार मां-बाप अपने बच्चों से प्यार की बातें करते होंगे, स्कूल/कॉलेज की पढ़ाई या उसके आचरण के बारे में चिंता करते होंगे। ऐसे लोगों के बच्चे या तो महंगे होस्टलों में रहते हैं या फिर घर की आया। नौकरों के सहारे चलते उन्हें अच्छे संस्कार/मां बाप का ध्यान नहीं मिलता। वे किस के साथ क्या करते हैं,स्कूल जाते हैं या नहीं, काम करते है। या नहीं आदि का मां बाप को पता नहीं होता। लाड-प्यार के नाम पर मां बाप उन्हें महंगे कपड़े, मोबाईल,कंप्यूटर या फिर मोटर बाईक ले देते हैं। मां बाप के प्यार,मार्गदर्शन तथा संस्कारों से वंचित ये लड़के अहंकारी, कृतघ्न, बड़े छोटे की परवाह न करने वाले,गरीबों को नफरत करने वाले या फिर उनका उपहास करने वाले, मादक पदार्थों का सेवन करने वाले तथा मां बाप के ऊंचे रूतबे का नाजायज़ फायदा उठाने वाले बन जाते हैं। जब आदमी के पास पैसा बहुत ज्यादा हो जाता है, धन सम्पत्ति,ऊँची पदवी,शोहरत,अधिकार,नाम धाम ज्यादा हो जाता है आदमी देश की सियासत में भी दिलचस्पी लेने लगता है। हम जानते हैं कि सियासत एक गंदा खेल है। उल्टे पुल्टे दांव पेच आदमी को इनसानियत से गिरा देते हैं। स्वार्थी/बेवकूफ बनाने वाले लोग उसके पांव छूते हैं,गुणगान करते हैं, स्वागत पार्टिया देते हैं,इससे वह अहंकारी बन जाता है। शराब इसकी जिंदगी का अहम भाग बन जाता है। वह झूठ बोलता है अन्याय का साथ देता है,कई बार सच्चे आदमी को सजा देनी पड़ती है,गलत व्यक्ति का समर्थन करना पड़ता है। बेशक इस क्षेत्र में अपवाद तो हैं ही। लेकिन कुल मिलाकर ज्यादा पैसा,लगातार सत्तसौन होना,व्यापार,उद्योग अथवा वित्तीय क्षेत्र में हावी होने वाले आदमी के पास बेशक पैसा ज्यादा आ जाये लेकिन उसे मन की शांति, परिवार का मान,सम्मान तथा प्यार,सच्ची खुशी, बचपन के गरीब लेकिन इमानदार तथा त्याग करने वाले मित्रों/सहपाठियों के घूमने खेलने की सच्ची खुशी नहीं मिलती। ऐसे आदमी के पास सब कुछ होता है फिर भी वह गरीब होता है,अकेला होता है, भय उस पर सदा हावी रहता है,उसका साम्राज्य उससे छिन जाने का भय उसे सताता रहता है। अतः हार्ट प्रोबल्म,ब्लड प्रैशर,डायबिटीज,टेंशन जैसी बीमारियां उसे सताती रहती हैं,उसकी आदमनी का कुछ भाग डाक्टरों से इलाज तथा दवा दारू पर खर्च हो जाता है। सरकारों के बदलने से उसे अपनी पोज़ीशन के कमज़ोर होने का डर लगा रहता है। सत्ता में ऊंचे ओहदे पर बैठे लोग आज बेशक धन, सम्पत्ति के अंबार लगा लें, सरकार बदलते ही नई सरकार इनकम टैक्स,सी.बी.आई. या किसी पुराने मामले में एफ. आई. आर. को खोदकर उसकी रातों की नींद तथा दिन के चैन को हराम करने का काम करने लग जाती है। उसका नाम मिट्टी में मिल जाता है उसके विपरीत समय में कोई उसका साथ नही देता। उसने अकेले ने खाया था अब अकेले ही सजा भुगतेगा। उसने इतने पाप कर रखे होते हैं, इतने दोस्त दुश्मन बना रखे होते हैं कि उसके पास औपचारिकता के तौर पर जाते हुए भी लोग डरते हैं।

इसलिये मैं परमात्मा से दुआ करता हूं कि देना तो जरूर लेकिन ज्यादा ना देना अगर देना भी है तो अच्छी सेहत,नेकनामी,अच्छी सोच,पारिवारिक सुख, शांति,अच्छे,इमानदार,हर मौके पर साथ देने वाले मित्र,सहयोगी तथा रिश्तेदार देना। देना है तो सद्बुद्धि, संतोष,संयम देना,परमात्मा से डरने वाली बुद्धि देना। ज्यादा धन,ज्यादा संतान,ज्यादा ताकत,बहुत ऊंची हैसियत ये तो मुसीबत पैदा करने वाली हैं।

डिजिटल भारत दौड़ रहा है,सवाल है...दौड़ की लगाम किसके हाथ है?

डिजिटल दौड़ में जियो आगे,लेकिन विकल्प कितने बाकी?

जियो का आईपीओ और भारत की डिजिटल सत्ता का बदलता चेहरा

सेबी की मंजूरी के साथ रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स का करीब 37,700 करोड़ रुपये का आईपीओ भारतीय शेयर बाजार में नया कीर्तिमान बना सकता है। करीब 27 करोड़ नए शेयर जारी होंगे और कंपनी का मूल्यांकन 137 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनी रहेगी। मेटा और गूगल जैसे वैश्विक तकनीकी दिग्गज निवेश बनाए रखेंगे। आईपीओ से करीब 27,500 करोड़ रुपये रिलायंस जियो इन्फोकॉम का कर्ज चुकाने में जाएंगे। बाजार के लिए यह बड़ी पूंजी जुटाने की खबर है,लेकिन भारत के लिए सवाल बड़ा है—जियो का शेयर किस भाव पर बिकेगा, यह नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल दुनिया की चाबी किन हाथों में रहेगी।

2016 में जियो का आगमन महज नई टेलीकॉम कंपनी का प्रवेश नहीं था; उसने भारत में इंटरनेट की तस्वीर बदल दी। मुफ्त-सस्ते डेटा ने इंटरनेट को महानगरों से गाँव-कस्बों की जरूरत बना दिया। वीडियो कॉल, ऑनलाइन पढ़ाई,मनोरंजन बढ़े और छोटे कारोबार डिजिटल बाजार में आए। आज जियो के 53 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं, जिनमें 50.6 करोड़ वायरलेस ग्राहक हैं (जुलाई 2026, ट्राई रिपोर्ट)। वह दुनिया के बड़े मोबाइल ऑपरेटरों में है। फिक्स्ड ब्रॉडबैंड में हिस्सेदारी 40त्न से अधिक,कुल ब्रॉडबैंड में करीब 49त्न और 5त्न फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में 70त्न से ज्यादा है। राजस्व 1.47 लाख करोड़ और मुनाफा करीब 30 हजार करोड़ रुपये है। आंकड़े ताकत बताते हैं, लेकिन सवाल है—जियो की इस ऊँचाई के बाद दूसरों के लिए मैदान कितना बचा है?

जियो की सफलता का दूसरा पहलू यहीं दिखता है। सस्ते डेटा ने करोड़ों भारतीयों को इंटरनेट से जोड़ा, लेकिन इस कीमत-क्रांति ने छोटे खिलाड़ियों की जगह भी घटाई। जब दो बड़ी कंपनियाँ ब्रॉडबैंड कनेक्शनों का करीब 84 प्रतिशत नियंत्रित करती हों, तो प्रतिस्पर्धा सिर्फ सस्ता पैकेज नहीं रह जाती। असली प्रतिस्पर्धा तब है, जब नया खिलाड़ी बाजार में आ सके, उपभोक्ता के पास विकल्प हों और छोटा खिलाड़ी बड़े को चुनौती दे सके। जियो ने दूरसंचार का खेल बदला, जिससे कई पुराने खिलाड़ी हाशिये पर चले गए या बाहर हो गए। यह पूंजीवाद की स्वाभाविक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन लोकतंत्र में सवाल जरूरी है—कहीं बाजार की जीत धीरे-धीरे विकल्पों की हार तो नहीं बन रही?

आईपीओ की असली तस्वीर निवेशकों के व्यवहार में दिखती है। कोई मौजूदा निवेशक हिस्सेदारी बेच नहीं रहा;रिलायंस, मेटा और गूगल निवेश बनाए रख रहे हैं। यानी यह निकासी नहीं,विस्तार का आईपीओ है। कर्ज चुकाने के बाद कंपनी के पास विस्तार का मजबूत आधार होगा। विस्तार मोबाइल सिम तक सीमित नहीं;जियोएआई,क्लाउड और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ रही है। यहीं दूरसंचार डेटा की दुनिया में बदलता है। करोड़ों ग्राहकों का नेटवर्क उनकी पसंद,जरूरत और डिजिटल व्यवहार के संकेत जुटाता है। आज डेटा कारोबार की पूंजी, कल एआई की ताकत बन सकता है। इसलिए जियो की असली पूंजी टावर, स्पेक्ट्रम, ग्राहक और उनसे पैदा होने वाला डेटा है।

डिजिटल दौर में एकाधिकार की शक्ल बदल चुकी है। भारत में चर्चा अब तक स्पेक्ट्रम,लाइसेंस और टैरिफ तक रही, लेकिन नई सत्ता अदृश्य है। किसी कंपनी को हर घर पर कब्जा करने की जरूरत नहीं;डिजिटल निर्भरता का सबसे बड़ा दरवाजा बनना ही काफी है। सवाल इंटरनेट की कीमत का नहीं,बल्कि सूचना किस नेटवर्क से गुजरती है,विज्ञापन की दिशा कौन मोड़ता है और छोटी डिजिटल कंपनियाँ ग्राहकों तक किस तंत्र से पहुँचती हैं। स्थानीय समाचार मंच,ऐप कंपनियाँ और क्षेत्रीय डिजिटल सेवाएँ ऐसे डिजिटल जंगल में जगह तलाशती हैं, जिसकी सबसे ऊँची छत पहले ही किसी और के कब्जे में है। यह न सरकारी नियंत्रण है,न पुराना निजी एकाधिकार—यह नेटवर्क, पूंजी और डेटा से उभरती नई सत्ता है।

जियो को इस पूरी कहानी का खलनायक मानना जितना आसान है, उतना ही अधूरा। भारत को डिजिटल बनाने में उसका योगदान ऐतिहासिक रहा है। सस्ता डेटा न आता तो करोड़ों भारतीय इतनी तेजी से इंटरनेट की मुख्यधारा में नहीं पहुँचते। लेकिन इतिहास चेताता है—समाज को जोड़ने वाली शक्ति जब एक जगह सिमटती है,तो विकल्प सिकुड़ते हैं। रेलवे ने भारत को जोड़ा,पर अगर हर पटरी, स्टेशन और टिकट एक ही हाथ में होता तो? डिजिटल भारत में नेटवर्क पटरी है, डेटा टिकट और उपभोक्ता यात्री। फर्क यह है कि इस यात्रा में यात्री अपने व्यवहार के निशान भी छोड़ता है। इसलिए मुद्दा जियो के योगदान को नकारना नहीं,उसकी शक्ति की लोकतांत्रिक सीमा तय करना है।

डिजिटल बाजार की दिशा अब नियामकों की चौकसी तय करेगी। सेबी की जिम्मेदारी आईपीओ और निवेशक पारदर्शिता तक है, लेकिन प्रतिस्पर्धा बचाने का दायित्व प्रतिस्पर्धा आयोग और दूरसंचार नियामक का भी है। डेटा पोर्टेबिलिटी, इंटरऑपरेबिलिटी,प्लेटफॉर्म की निष्पक्षता और छोटे खिलाड़ियों के लिए समान अवसर अब तकनीकी शब्द नहीं,डिजिटल लोकतंत्र की बुनियाद हैं। जियो की तकनीकी ताकत भारत को तेज 5-जी, बेहतर ब्रॉडबैंड,क्लाउड और एआई सेवाएँ दे सकती है,तो उसका लाभ देश तक पहुँचना चाहिए। लेकिन यही ताकत प्रतिस्पर्धियों को दबाने लगे,तो नियामकों का हस्तक्षेप जरूरी है। सफलता महत्वपूर्ण है,पर स्वतंत्र बाजार उससे भी बड़ा मूल्य है।

जियो का आईपीओ बाजार के लिए उत्सव,पर भारत के लिए बड़ा संकेत है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के साथ सत्ता के केंद्रीकरण की आशंका बढ़ रही है। मुकेश अंबानी ने जोखिम उठाकर पूंजी लगाई और भारतीय डिजिटल बाजार बदल दिया—यह बड़ी उपलब्धि है। लेकिन लोकतंत्र किसी सफलता को स्थायी अधिकार नहीं देता। सवाल यह नहीं कि जियो 137 अरब डॉलर की होगी या आगे जाएगी; सवाल है कि उसके बाद नागरिक के पास कितने वास्तविक विकल्प रहेंगे। आज डेटा हमारी आदतों का रिकॉर्ड है, कल वही एआई की ताकत और अर्थव्यवस्था की मुद्रा बन सकता है। इसलिए जियो का आईपीओ केवल शेयरों की बिक्री नहीं, स्क्रीन के पीछे जमा डेटा से आकार लेती सत्ता की कहानी है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत
बड़वानी,मध्यप्रदेश

कड़वाहट के बीच संवाद

संजय एम
तराणेकर
इन्दौर
मध्य प्रदेश

रिश्तों में रूठापन हो,बातों में तल्ख़ी आती है,
दिल के कोने में मिलने की आस जगाती है।
राखी सिर्फ धागा नहीं, विश्वास और सम्मान है,
दूर हों चाहे रिश्ते,मन में फिर भी अपनापन है।
मतभेद हों विचारों में,मन में द्वेष न पाले हम?
शब्दों से पुल बनते हैं,क्यों? दीवारें डालें हम?
सत्ता या सामान्य जीवन,भिन्नता भले राय रहे,
संवाद का दीपक हर अंधियारे में जलता रहे।
कड़वे बोलों के मौसम में मिठास भी ज़रूरी है,
रिश्ते बचाने के लिए झुकना भी तो मजबूरी है।
राखी का संदेश यही हैं मन से मन की दूरी घटे,
विचार अलग हों तो संवाद कभी न हमसे छूटे।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

शिक्षकों को नौकरी गंवाने की धमकी,10 हजार की मांग

स्कूल में घुसकर कथित यू-ट्यूबरों का हंगामा,वीडियो बनाकर वायरल करने का आरोप; तीन के खिलाफ एफआईआर

-संवाददाता-
पस्ता,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के पस्ता क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला पुट्सू में कथित तौर पर खुद को यू-ट्यूबर बताने वाले तीन युवकों द्वारा स्कूल परिसर में घुसकर हंगामा करने और शिक्षकों पर दबाव बनाकर 10 हजार की मांग करने का मामला सामने आया है। शिक्षक की शिकायत के अनुसार रकम नहीं देने पर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने तथा नौकरी से निलंबित कराने की धमकी दी गई। मामले में पस्ता पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले तो बनाया जा रहा था पैसे के लिए दबाव

प्रभारी प्रधान पाठक रूकमण बारीक ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि श्रवण यादव और दीपक यादव पिछले करीब 8-10 दिनों से एक कथित फाउंडेशन के नाम पर उनसे पैसे देने का दबाव बना रहे थे। शिक्षक द्वारा रकम देने से इनकार करने के बाद विवाद बढ़ गया।

स्कूल में पहुंचकर बनाया वीडियो,बच्चों के सामने हंगामा

शिकायत के मुताबिक 25 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 1 बजे श्रवण यादव, दीपक यादव और सूर्या यादव बिना अनुमति स्कूल परिसर में पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने बच्चों और शिक्षक के सामने अभद्र व्यवहार करते हुए वीडियो बनाना शुरू कर दिया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से स्कूल का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हुआ और बच्चों में भी डर का माहौल बन गया।

10 हजार नहीं दिए तो वायरल करने की धमकी

शिक्षक का आरोप है कि कथित रूप से 10 हजार देने का दबाव बनाया गया। रकम नहीं देने पर वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने तथा शिक्षक को नौकरी से हटवाने अथवा निलंबित कराने की धमकी दी गई। इसके बाद आरोपियों द्वारा वीडियो को कथित तौर पर तोड़-मरोड़कर यूट्यूब और फेसबुक पर अपलोड किए जाने की बात शिकायत में कही गई है।

पुलिस ने गंभीर धाराओं में दर्ज किया मामला

शिकायत के आधार पर पस्ता थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 44/2026 दर्ज किया है। पुलिस ने दीपक यादव, श्रवण यादव और सूर्या यादव के खिलाफ बीएनएस की धारा 221, 351(2), 308(2), 356(3) एवं 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की है। मामले में आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस वीडियो, शिकायत में लगाए गए आरोपों तथा संबंधित परिस्थितियों की जांच कर रही है।

नवागढ़ शहरी स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित प्रसव की सुविधा शुरू

पहले प्रसव में जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ,क्षेत्र के लोगों को मिलेगी स्थानीय स्तर पर सुविधा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सरगुजा की पहल पर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में सुरक्षित प्रसव की सुविधा शुरू कर दी गई है। केंद्र में 29 मई को प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. जया अग्रवाल ने पहला सुरक्षित प्रसव कराया। प्रसव के बाद चिकित्सकीय जांच में मां और नवजात दोनों स्वस्थ पाए गए। डॉ. जया अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव सुविधा शुरू होने से नवागढ़ और आसपास के क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उन्हें प्रसव के लिए दूर के अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। सुरक्षित प्रसव के दौरान सुपरवाइजर अनिल पांडेय,स्टाफ नर्स,मैदानी कर्मचारी,सेक्टर एमटी और मितानिनों का सहयोग रहा।

एनएच के किनारे नाली में मिला 4.76 किलो गांजा

-संवाददाता-
लखनपुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

थाना लखनपुर पुलिस ने एनएच-130 में ग्राम केवरा के पास डिवाइडर के किनारे नाली से लावारिस हाल में पड़ी एक बोरी से 4 किलो 760 ग्राम गांजा बरामद किया है। थाना प्रभारी उप निरीक्षक संपत पोटाई ने बताया कि मोबाइल पर सूचना मिली थी कि, केवरा से गुजरने वाली एनएच-130 के किनारे डिवाइडर के पास नाली में संदिग्ध अवस्था में बोरी पड़ी है। सूचना दर्ज करके उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को इससे अवगत कराया और पुलिस टीम आरक्षक दशरथ राजवाड़े और सुरेश गुप्ता के साथ मौके पर पहुंची। बोरी की तलाशी लेने पर 5 अलग-अलग पैकेट में गांजा मिला। मादक पदार्थ की पुष्टि होने पर पुलिस ने इसे जब्त कर लिया। तौल में चारों पैकेट में कुल 4.76 किलो गांजा मिला, इसकी अनुमानित कीमत 47,600 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने गांजा को सीलबंद करके धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

बंद मकान का ताला तोड़कर मोबाइल चोरी,24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
रामानुजगंज,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

चौकी तातापानी पुलिस ने बंद मकान का ताला तोड़कर मोबाइल व चार्जर चोरी करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया मोबाइल और चार्जर बरामद कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार,तातापानी निवासी मनदीप कुमार मिंज (37) 28 अगस्त की रात करीब 8 बजे मोबाइल चार्ज में लगाकर परिवार के साथ बाजार गए थे। कुछ देर बाद वापस लौटने पर उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को घर से निकलकर भागते देखा। घर के अंदर जाकर जांच करने पर चार्ज में लगा मोबाइल और चार्जर गायब मिला। शिकायत पर चौकी तातापानी पुलिस ने अपराध क्रमांक 155/2026, धारा 305(क) एवं 331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। संदेह के आधार पर पुलिस ने संतोष राम (35), निवासी ग्राम बुलगांव को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी द्वारा चोरी करना स्वीकार किए जाने के बाद उसकी निशानदेही पर मोबाइल और चार्जर बरामद कर लिया गया।

एनएच-343 की बदहाली पर कांग्रेस का हल्लाबोल 3 सितंबर को सड़क पर लगेगा 'बेशर्मी का पौधा'

गड्ढे,कीचड़ और धूल से परेशान जनता के मुद्दे पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजपुर करेगी प्रदर्शन

-संवाददाता-
राजपुर/बलरामपुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

राजपुर क्षेत्र की लाइफलाइन माने जाने वाले एनएच-343 की बदहाल स्थिति को लेकर अब सियासी विरोध तेज होने वाला है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजपुर ने सड़क की जर्जर हालत के विरोध में 3 सितंबर को उग्र प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। कांग्रेस कार्यकर्ता इस दौरान सड़क के गड्ढों में 'बेशर्मी का पौधा' लगाकर शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराएंगे। कांग्रेस नेताओं द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निर्माणाधीन एनएच-343 लंबे समय से गड्ढों,कीचड़ और धूल की समस्या से जूझ रहा है। बारिश में गड्ढों में पानी और कीचड़ भरने से आवागमन मुश्किल हो जाता है,वहीं मौसम साफ होने पर उड़ती धूल राहगीरों और सड़क किनारे रहने वाले लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है।

गड्ढों से बचने में हादसों का खतरा : कांग्रेस का आरोप है कि सड़क की खराब हालत के कारण वाहन चालकों को आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों से बचने के दौरान दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं वाहनों के क्षतिग्रस्त होने और यात्रा का समय बढ़ने से स्थानीय व्यापार एवं आम जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है।

विकास का पौधा नहीं उगा तो लगाएंगे बेशर्मी का पौधा : कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वर्षों से सड़क की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने के विरोध में प्रतीकात्मक रूप से गड्ढों में 'बेशर्मी का पौधा' लगाया जाएगा। उनका कहना है कि जब सड़क पर विकास का पौधा नहीं उग पा रहा और गड्ढे तक नहीं भरे जा रहे हैं,तो इसी अंदाज में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया जाएगा।

जवाबदेही तय करने की मांग...

कांग्रेस ने एनएच-343 के गड्ढों और कीचड़ से तत्काल राहत दिलाने, निर्माण एवं मरम्मत कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष निगरानी करने तथा लापरवाही के लिए जिम्मेदार निर्माण एजेंसी और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। पार्टी ने कहा कि जनता को आश्वासनों के बजाय सुरक्षित और स्थायी सड़क चाहिए। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने 3 सितंबर के प्रदर्शन में क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों और वाहन चालकों से शामिल होकर सड़क की समस्या के खिलाफ आवाज बुलंद करने की अपील की है।

सूने मकान से नकदी सहित अन्य सामानों की चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

शहर के वार्ड क्रमांक 04 मुक्तिपारा शिवमंदिर के पीछे तुर्रापानी में सूने मकान का ताला तोड़कर चोर ने चावल,नकदी सहित अन्य सामान पार कर दिया। जानकारी के मुताबिक, तुर्रापानी रोड निवासी अलेक्जेंडर किस्पोट्टा,जिला सत्र न्यायालय में रीडर हैं। 27 अगस्त सुबह 9 बजे वे पत्नी को नावापारा चर्च छोड़कर ड्यूटी गए थे। 11.30 बजे मिस्त्री राजेश ने फोन पर उन्हें बताया कि घर का ताला टूटा है। घर आने पर 50 किलो चावल, आधा भरा गैस टंकी,तकिया के नीचे रखा 5000 रुपये नकद और उनकी पुत्री का मोबाइल फोन नहीं था। गांधीनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम डिगमा नेहरूनगर निवासी 17 वर्षीय कौशिक ढाली पर स्कूटी की चाबी से हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। सेंट जेवियर स्कूल में पढ़नेवाला कौशिक 27 अगस्त को शाम 5 बजे अपने दोस्त मंजीत साय को फुंदुरडिहारी छोड़ने जा रहा था। गांधी चैक हनुमान मंदिर के पास अभिषेक और सर्वजीत पैकरा ने स्कूटी अड़ाकर गाली-गलौज करना शुरू कर दिया और स्कूटी की चाबी से सिर पर 2-3 वार किया, जिससे खून निकलने लगा। शोर मचाने पर आरोपी भाग गए।

टूटे हाईटेंशन तार की चपेट में आया नौनिहाल,मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

रक्षाबंधन के दिन नमनाकला क्षेत्र में टूटे हाईटेंशन तार की चपेट में आने से एक नाबालिग बच्चे की मौत हो गई। हादसा कार्मेल स्कूल के पास हुआ। परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार कार्मेल स्कूल के समीप बिजली खंभे से हाईटेंशन तार टूटकर नीचे लटक रहा था। इसी दौरान साइकिल चला रहा बच्चा तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन तत्काल उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। रक्षाबंधन के त्योहार पर हुई इस घटना से परिजन सदमे में हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शहर के कई इलाकों में बिजली के तार जर्जर हालत में हैं और कई जगह तार नीचे तक लटक रहे हैं। इसके बावजूद समय रहते सुधार नहीं किया जा रहा है। लोगों ने बिजली विभाग से शहर में हाईटेंशन लाइनों और खंभों का निरीक्षण कर जर्जर व टूटे तारों को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि दोबारा इस तरह की घटना न हो।

जिला अस्पताल से चोरी मोटरसाइकिल के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

पहले पकड़े गए आरोपी की निशानदेही पर बरामद हुई थी होंडा शाइन,अब दूसरे आरोपी तक पहुंची मणिपुर पुलिस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

जिला अस्पताल परिसर से मोटरसाइकिल चोरी के मामले में मणिपुर पुलिस ने फरार चल रहे दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मामले में एक आरोपी समीर अंसारी उर्फ गजनी को पहले ही गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की जा चुकी थी। अब मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मामले में शामिल इरफान उर्फ धन्नू अंसारी (30), निवासी मोमिनपुरा, अंबिकापुर को गिरफ्तार किया है।

रात की ड्यूटी के दौरान चोरी हुई थी बाइक : पुलिस के मुताबिक बाबूपारा निवासी गंगा प्रसाद बंजारे 10 जुलाई की रात ड्यूटी के लिए अपनी होंडा शाइन मोटरसाइकिल क्रमांक CG-09-JE-7588 लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने बाइक अस्पताल परिसर में शेड के नीचे खड़ी की थी। ड्यूटी खत्म होने के बाद लौटे तो बाइक गायब थी। आसपास तलाश के बावजूद पता नहीं चलने पर उन्होंने 13 जुलाई को थाना मणिपुर में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने पहले समीर अंसारी उर्फ गजनी को गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

साथी की तलाश में जुटी थी पुलिस : मामले में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश लगातार की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने इरफान उर्फ धन्नू अंसारी को पकड़कर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने पूर्व में गिरफ्तार समीर उर्फ गजनी के साथ मिलकर मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त अपराध साक्ष्य पाए जाने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने आरोपी को आदतन अपराधी बताते हुए उसके पूर्व आपराधिक गतिविधियों की भी जानकारी जुटाने की बात कही है।

सर्व समाज के सहयोग से पंडो समाज के अरविंद का एमबीबीएस में दाखिला

नीट में सफलता के बाद फीस की रकम पड़ी कम,लोगों ने जुटाए 67,900 रुपए

-संवाददाता-
बलरामपुर-रामानुजगंज,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो समुदाय के होनहार छात्र अरविंद कुमार पंडो ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद नीट सफलता हासिल कर एमबीबीएस में प्रवेश लिया है। ग्राम चुनापाथर, विकासखंड रामचंद्रपुर निवासी अरविंद का चयन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय पं. जवाहरलाल नेहरू, रायपुर में हुआ है। वे अपने परिवार में डॉक्टर बनने वाले पहले सदस्य होंगे। अरविंद के पिता रमेश पंडो कृषि और दैनिक मजदूरी पर निर्भर हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद अरविंद ने बिना कोचिंग और सीमित संसाधनों में पढ़ाई कर यह मुकाम हासिल किया। चयन के बाद प्रवेश शुल्क की व्यवस्था परिवार के सामने बड़ी चुनौती बन गई। 29 अगस्त को प्रवेश की अंतिम तिथि थी और करीब 40 हजार रुपए की कमी पड़ रही थी।

परिवार ने जमीन गिरवी रखने का प्रयास भी किया, लेकिन मदद नहीं मिल सकी। ऐसे समय में समाजसेवी उदय कुमार पंडो ने सोशल मीडिया के माध्यम से सहयोग की अपील की। इसके बाद पंडो समाज, सर्व आदिवासी समाज सहित विभिन्न समाजों के लोगों ने आर्थिक सहयोग किया।

अभियान के जरिए कुल 67,900 रुपए जुटाए गए। इससे अरविंद की प्रवेश प्रक्रिया समय पर पूरी हो सकी और डॉक्टर बनने का सपना साकार होने की राह आसान हुई। अरविंद ने इस सहयोग के लिए समाज के लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर बनने के बाद वे गरीब, वंचित और विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों की सेवा करना चाहते हैं।

ड्रंक एंड ड्राइव में पिकअप चालक पर 10 हजार जुर्माना

शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़ा गया चालक,कोर्ट ने किया दंडित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सरगुजा पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में यातायात शाखा की टीम ने शराब के नशे में पिकअप चलाते पकड़े गए चालक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए मामला न्यायालय में पेश किया, जहां चालक पर 10 हजार का अर्थदंड लगाया गया। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान पिकअप क्रमांक CG-16-CQ-5493 को रोककर चालक से पूछताछ की गई। चालक ने अपना नाम कैलाश सिंह आयाम (45), निवासी रामानुजनगर, जिला सूरजपुर बताया। जांच के दौरान चालक के शराब के नशे में होने की आशंका पर ब्रेथ एनालाइजर से परीक्षण किया गया, जिसमें शराब का सेवन कर वाहन चलाना पाया गया। इसके बाद यातायात पुलिस ने चालक के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद चालक को 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। पुलिस का कहना है कि शराब के नशे में वाहन चलाना न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है।

संस्कृत गीतों से गूंजा सैनिक स्कूल,कैडेटों ने तकनीक से जोड़ा प्राचीन ज्ञान

संस्कृत दिवस पर गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन,कैडेटों ने तैयार किया 3000 से अधिक शैक्षिक सामग्री वाला ऐप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

संस्कृत दिवस के अवसर पर सैनिक स्कूल अंबिकापुर में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और कैडेटों में संस्कृत के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। समारोह का मुख्य आकर्षण संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता रही, जिसमें कैडेटों ने संस्कृत के मधुर एवं भावपूर्ण गीत प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एकल गायन प्रतियोगिता में कैडेट अदिति दुबे ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन संस्कृत शिक्षक सौरभ कुमार जैन के मार्गदर्शन में किया गया।

कैडेटों की तकनीकी प्रतिभा भी सामने आई : समारोह में सैनिक स्कूल के कैडेटों द्वारा विकसित संस्कृत ऐप का भी शुभारंभ किया गया। 'प्राचीन ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ें' की अवधारणा पर तैयार इस ऐप का उद्देश्य संस्कृत को डिजिटल माध्यम से विद्यार्थियों के लिए सरल, रोचक और सुलभ बनाना है। ऐप निर्माण में कैडेट भौमिक साहू, रिधिमान, आदित्य साहू, रोहित रॉय एवं कनिष्क मित्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐप में संस्कृत सीखने और अभ्यास के लिए 3000 से अधिक शैक्षिक सामग्री, 12 प्रमुख अनुभाग और 5 विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

डिजिटल दौर में संस्कृत को नया मंच : ऐप का औपचारिक शुभारंभ आर. एल. मिश्रा, प्राचार्य, राजीव कुमार, प्रोफेसर एवं प्राचार्य तथा कर्नल राजेश बैंदा द्वारा किया गया। अतिथियों ने कैडेटों की तकनीकी एवं रचनात्मक पहल की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। प्राचार्य आर. एल. मिश्रा ने कहा कि डिजिटल युग में तकनीक के माध्यम से संस्कृत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। कैडेटों द्वारा तैयार ऐप भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक के समन्वय का बेहतर उदाहरण है। संस्कृत शिक्षक सौरभ कुमार जैन ने कहा कि पहल का उद्देश्य संस्कृत को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय विद्यार्थियों के लिए सरल, सहज, रुचिकर और तकनीक-अनुकूल बनाना है।

कैडेटों की पहल यह भी दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर विद्यार्थी तकनीकी क्षेत्र में अभिनव समाधान विकसित कर सकते हैं। सैनिक स्कूल अंबिकापुर की यह पहल संस्कृत भाषा को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के साथ प्राचीन भारतीय ज्ञान को आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास के रूप में सामने आई है।

हिंदी भाषण प्रतियोगिता में गूंजी कैडेट्स की प्रभावी आवाज

कनिष्ठ वर्ग में अरिहंत हाउस और वरिष्ठ वर्ग में कटारी हाउस ने हासिल किया प्रथम स्थान

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कैडेट्स के लिए हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य कैडेट्स में हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ उनके आत्मविश्वास, वाक-कौशल और प्रभावी अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना रहा। प्रतियोगिता में कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। कैडेट्स ने भाषा की शुद्धता, विचारों की स्पष्टता, प्रस्तुतीकरण और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के परिणाम में कनिष्ठ वर्ग में अरिहंत हाउस तथा वरिष्ठ वर्ग में कटारी हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में विद्यालय से बाहर से आमंत्रित अतिथियों ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए कैडेट्स के प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कर्नल राजेश बेंदा ने विजेता हाउसों सहित सभी प्रतिभागी कैडेट्स को बधाई दी। उन्होंने अरिहंत हाउस के हाउस मास्टर सौरभ कुमार जैन एवं मनोज कुमार त्रिपाठी को विशेष रूप से बधाई देते हुए कैडेट्स की तैयारी और मार्गदर्शन की सराहना की। प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं कैडेट्स में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, भाषायी दक्षता और प्रभावी संप्रेषण कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

गोहड़ारी नदी का क्षतिग्रस्त पुल बना मुसीबत...

मरम्मत का इंतजार,50 से अधिक पंचायते प्रभावित

8-10 दिन बाद भी काम शुरू नहीं,83 पंचायतों के हजारों लोग प्रभावित 350-400 स्कूली बच्चे रोजाना 500 मीटर पैदल चलकर बदल रहे बस

-राजन पाण्डेय-

एमसीबी,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ को मध्य प्रदेश से जोड़ने वाले जनकपुर-शहडोल मुख्य मार्ग पर गोहड़ारी नदी का पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद क्षेत्रवासियों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है,20 अगस्त को बारिश के दौरान पुल को नुकसान पहुंचने के बाद करीब 8-10 दिन बीत चुके हैं,लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका है, आवागमन बाधित होने से ग्रामीणों,स्कूली बच्चों, व्यापारियों और मरीजों को रोजाना मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

पुल की मरम्मत में देरी से उठे विभागीय व्यवस्था पर सवाल-पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद उसकी सुरक्षा और मरम्मत को लेकर संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं,मानसून के दौरान नदी-पुलों की स्थिति को देखते हुए समय-समय पर तकनीकी निरीक्षण और आवश्यक रखरखाव कितना प्रभावी ढंग से किया जाता है,यह भी जांच का विषय बन गया है, क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि पुल की स्थिति का समय रहते निरीक्षण और आवश्यक रखरखाव किया गया होता तो नुकसान को कम किया जा सकता था,अब पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद मरम्मत के लिए बजट, प्रशासनिक और तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया का इंतजार किया जा रहा है,जबकि आम लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

90 फीसदी कारोबार शहडोल से जुड़ा, व्यापार पर पड़ा सीधा असर- गोहड़ारी पुल बंद होने का असर केवल यातायात तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय व्यापार भी इसकी चपेट में आ गया है, चांगभखार क्षेत्र का लगभग 90 प्रतिशत कारोबार मध्य प्रदेश के शहडोल और आसपास के बाजारों से जुड़ा बताया जाता है, ऐसे में यह पुल दोनों राज्यों के बीच व्यापारिक संपर्क की महत्वपूर्ण कड़ी है,भारी वाहनों के आवागमन पर रोक के कारण मालवाहक वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे जरूरी सामान की आपूर्ति और व्यापारियों के माल की आवाजाही पर असर पड़ रहा है। त्योहारी सीजन नजदीक होने के कारण व्यापारियों की चिंता और बढ़ गई है।

20 की जगह 47 किलोमीटर का सफर,27 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी

पुल बंद होने के बाद प्रशासन ने वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया है,जनकपुर से बहरासी, कुवांरपुर होते हुए चांटी बैरियर तक जाने वाले इस मार्ग से यात्रियों और वाहन चालकों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है,पहले जनकपुर से चांटी बैरियर की दूरी करीब 20 किलोमीटर थी, जबकि वैकल्पिक मार्ग से यह दूरी लगभग 47 किलोमीटर हो गई है,यानी एक तरफ की यात्रा में करीब 27 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। इससे ईंधन खर्च बढ़ने के साथ समय की भी भारी बर्बादी हो रही है।

350-400 बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित

पुल पर आवागमन बाधित होने का सबसे गंभीर असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है,प्रतिदिन करीब 350 से 400 स्कूली बच्चे इस मार्ग से आवागमन करते हैं, बसें पुल के दोनों ओर आगे नहीं जा पा रही हैं, ऐसे में बच्चों और अन्य यात्रियों को एक तरफ बस से उतरकर करीब 500 मीटर पैदल चलना पड़ता है और दूसरी ओर पहुंचकर दूसरी बस पकड़नी पड़ती है,बारिश के मौसम में यह व्यवस्था बच्चों और बुजुर्गों के लिए अतिरिक्त जोखिम पैदा कर रही है।

इलाज के लिए मध्य प्रदेश पर निर्भर आबादी की बढ़ी मुश्किल-क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी पुल बंद होने का असर पड़ा है, स्थानीय स्तर पर पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में क्षेत्र की करीब 85-90 प्रतिशत आबादी उपचार के लिए शहडोल, रीवा,जबलपुर और कटनी जैसे मध्य प्रदेश के शहरों पर निर्भर बताई जाती है, ऐसे में पुल बंद होने और वैकल्पिक मार्ग से लंबी दूरी तय करने की स्थिति में गंभीर मरीजों और उनके परिजनों की परेशानी बढ़ गई है। आपात स्थिति में अतिरिक्त दूरी और समय किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

कांग्रेस ने सरकार और प्रशासन को घेरा- ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकुर प्रताप सिंह ने पुल की मरम्मत में हो रही देरी को प्रशासनिक नाकामी बताया,उनका कहना है कि एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ है,त्योहारी सीजन में बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों का संपर्क प्रभावित है। उन्होंने कहा कि यदि दोबारा तेज बारिश हुई तो क्षतिग्रस्त ढांचा और गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है।

नगर पंचायत उपाध्यक्ष ने बताई जमीनी स्थिति- नगर पंचायत उपाध्यक्ष नीलेश मिश्रा के अनुसार तेज बाढ़ के दौरान पुल का बैरिकेड टूट गया और पुल के पाए को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह से चर्चा की गई है, वहीं पी डब्लू डी के स्ठह ने जलस्तर कम होने के बाद मरम्मत कार्य शुरू किए जाने की बात कही है।

पीडब्लूडी: रिपोर्ट और एस्टीमेट भेजा, स्वीकृति का इंतजार-पीडब्लूडी एसडीओ राम प्रसाद चौधरी ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुल की रिपोर्ट और एस्टीमेट उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है, बजट की प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा।

एक नजर में स्थिति

- प्रभावित ग्राम पंचायतें: 83
- प्रभावित आश्रित गांव: 181
- प्रभावित आबादी: 88,750
- पुल के दूसरी ओर प्रभावित पंचायतें: 8
- इन पंचायतों की आबादी: 8,116
- स्कूली बच्चे: करीब 350-400 प्रतिदिन
- पैदल अतिरिक्त दूरी: करीब 500 मीटर
- पुराना मार्ग: करीब 20 किमी
- वैकल्पिक मार्ग: करीब 47 किमी
- अतिरिक्त दूरी: करीब 27 किमी
- स्वास्थ्य के लिए मध्य प्रदेश पर निर्भरता: करीब 85-90 प्रतिशत आबादी
- भारी वाहनों पर प्रतिबंध: 20 सितंबर 2026 तक
- उल्लंघन पर प्रस्तावित जुर्माना: 2,500 से 12,500

सवाल अब सिर्फ मरम्मत का नहीं...

गोहड़ारी नदी का पुल फिलहाल केवल एक क्षतिग्रस्त संरचना नहीं, बल्कि 83 ग्राम पंचायतों, हजारों ग्रामीणों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और मरीजों के आवागमन से जुड़ी महत्वपूर्ण कड़ी बन गया है, ऐसे में सवाल यह है कि मरम्मत की स्वीकृति की प्रक्रिया कब पूरी होगी और वास्तविक काम कब शुरू होगा। बारिश के बीच हर गुजरता दिन स्थानीय लोगों की परेशानी और बढ़ा रहा है।

दर्दनाक सड़क हादसे में बॉक्साइट श्रमिक संघ के महामंत्री लक्ष्मण यादव की मौत

पुरानपानी में अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई कार,सामरी क्षेत्र में शोक की लहर

-संवाददाता-

पुरानपानी/कुसमी,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के कुसमी अनुभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरानपानी में शनिवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बॉक्साइट श्रमिक संघ (सामरी) के महामंत्री लक्ष्मण यादव की असमय मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही सामरी क्षेत्र सहित श्रमिक संगठनों और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मण यादव अपनी कार क्रमांक छ्ग 04 ह्ल्ट 8071 से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान पुरानपानी के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि लक्ष्मण यादव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। लक्ष्मण यादव श्रमिकों के हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय रहते थे। उनके अचानक निधन से बॉक्साइट श्रमिक संगठन और उनसे जुड़े लोगों में गहरा दुख है। सहकर्मियों एवं क्षेत्रवासियों ने उनके निधन को संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताया। परिजनों और शुभचिंतकों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस कठिन घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अखिल भारतीय फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

जशपुरनगर,29 अगस्त 2026। जशपुर में पहली बार 'चेकमेट एट जशपुर अखिल भारतीय ओपन फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता 2026' का आयोजन 29 अगस्त से 1 सितंबर तक पुरानी टोली स्थित कम्युनिटी हॉल में किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रशासन एवं खेल विभाग तथा जशपुर जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में देशभर के 12 राज्यों के 175 खिलाड़ी और कोच शामिल हुए हैं। इस अवसर पर वनवासी कल्याण आश्रम के महामंत्रीयोगेश बापट, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्षअरविन्द भगत,जशपुर जनपद पंचायत अध्यक्षगंगा राम भगत कलेक्टररोहित व्यास वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह, नगर पालिका अधिकारीयोगेश्वर उपाध्याय अन्य जनप्रतिनिधिगण और खिलाड़ी कोच बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आज भारत में हर साल 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। और मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है की प्रकृति के बीच बसा जशपुर सुंदर वादियों में स्व. दिलिप सिंह जुदेव की जन्मस्थली में अखिल भारतीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि शतरंज परम्परा और संस्कृति से जुड़ा हुआ खेल है। शतरंज हमें जीवन जीने की जीने की कला सिखाती है। जीवन में धैर्य रखना कोई कदम आगे बढ़ाने से पहले सोचना और निर्णय लेने की सीख शतरंज हमें सिखाती है। कठिन समय में धैर्य न खोना, एकाग्रता बनाए रखना,सोच समझकर आगे चलना और हर चुनौती का सामना करना सिखाती है शतरंज का खेल में 64 खानों और 32 मौहरो में जीवन का सीख छिपा हुआ है।

एमपी से शराब तस्करी पर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 99 लीटर गोवा व्हिस्की जब्त

11 कार्टून में 550 पाव बरामद, 'फॉर सेल इन एमपी' अंकित शराब की कीमत करीब 66 हजार रुपये;आरोपी गिरफ्तार, 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल

-संवाददाता-

कोरिया,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। जिले में अवैध शराब के परिवहन, तस्करी और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश से लाई जा रही 99 लीटर अवैध शराब जब्त की है, कार्रवाई में 11 कार्टून में रखे 550 पाव गोवा व्हिस्की बरामद किए गए। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 66 हजार रुपये बताई गई है। कलेक्टर रोक्तिमा यादव के निर्देश पर रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ निगरानी बढ़ाई गई है,इसी अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

'फॉर सेल इन एमपी' अंकित थी शराब

आबकारी विभाग के अनुसार कार्रवाई के दौरान इंद्रप्रताप पिता चन्दन राम, उम्र 34 वर्ष,निवासी ग्राम सांवला,थाना पोड़ी-बचरा के कब्जे से 11 कार्टून में रखी गोवा व्हिस्की बरामद हुई। प्रत्येक कार्टून में शराब के पाव रखे हुए थे, कुल 550 पाव, जिसकी मात्रा 99 लीटर है, जब्त की गई, बरामद शराब के कार्टून पर 'फॉर सेल इन एमपी' अंकित पाया गया,इससे प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि शराब मध्यप्रदेश से लाई गई थी और उसे जिले में खपाने की कोशिश की जा रही थी, मामले में आबकारी विभाग ने शराब के स्रोत और इसके परिवहन से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच शुरू की है।

अधिनियम के तहत मामला दर्ज- आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2),36 एवं 59 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया, कार्रवाई के बाद आरोपी को सीजेएम न्यायालय,बैकुंठपुर के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को 14 दिवस की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पटना-पोड़ी-बचरा क्षेत्र पर विशेष निगरानी-जिले में अवैध शराब की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है, विशेष रूप से पटना एवं पोड़ी-बचरा क्षेत्र में अवैध शराब के परिवहन और बिक्री पर आबकारी विभाग की नजर है,कलेक्टर ने आबकारी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन किसी भी स्थिति में नहीं होना चाहिए, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और अन्य स्थानों पर भी निगरानी बढ़ाने तथा अवैध गतिविधियां पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

त्योहार के मद्देनजर अभियान जारी- रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर शराब की मांग बढ़ने की संभावना को देखते हुए आबकारी विभाग द्वारा जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है, विभाग की टीमें अवैध शराब के निर्माण,भंडारण, परिवहन और बिक्री की सूचना पर कार्रवाई कर रही हैं,99 लीटर शराब की इस जब्ती को इसी अभियान की महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है,'फॉर सेल इन एमपी' अंकित शराब की बरामदगी से अंतरराज्यीय शराब तस्करी की आशंका भी सामने आई है, जिसके चलते जांच में यह पता लगाना महत्वपूर्ण होगा कि शराब कहां से लाई गई और इसे जिले में किन स्थानों पर खपाया जाना था।

अवैध कारोबारियों को सख्त संदेश

आबकारी विभाग की कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों को सख्त संदेश देने का प्रयास किया गया है,विभाग का कहना है कि जिले में अवैध मदिरा के कारोबार को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी, कलेक्टर के निर्देश के बाद आबकारी विभाग की सक्रियता से जिले में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई तेज हुई है, अब जांच में यह सामने आना बाकी है कि जब्त शराब के पीछे कोई बड़ा तस्करी नेटवर्क सक्रिय है या यह खेप किसी स्थानीय कारोबारी तक पहुंचाई जा रही थी।

रक्षाबंधन पर बहनों ने अपचारी बच्चों के साथ बांटी खुशियां

सेवा किटी की सदस्यों ने सम्प्रेक्षण गृह व प्लेस ऑफ सेफ्टी पहुंचकर बांधा रक्षासूत्र,बच्चों ने सुनाए गीत-कविताएं...

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर सेवा किटी समूह की सदस्यों ने इस वर्ष भी सम्प्रेक्षण गृह एवं प्लेस ऑफ सेफ्टी में रह रहे अपचारी बच्चों के साथ समय बिताकर उन्हें अपनत्व और स्नेह का अहसास कराया।

सदस्यों ने बच्चों को रक्षासूत्र बांधकर मिठाई एवं फल वितरित किए। सेवा किटी की संयोजिका एवं सेवानिवृत्त अधीक्षक सम्प्रेक्षण गृह द्वारा विगत 10 वर्षों से लगातार रक्षाबंधन के दिन अपचारी बच्चों के बीच पहुंचकर यह पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के दिन बच्चों को घर-परिवार की याद अधिक आती है, ऐसे में उनके बीच कुछ समय बिताकर उन्हें परिवार जैसा अपनापन और थोड़ी खुशी देने का प्रयास किया जाता है।

कार्यक्रम में लिली बसु रॉय,अतिशी भट्टाचार्य एवं सुनीता दास ने बच्चों का तिलक कर आरती उतारी और रक्षासूत्र बांधा। इस आत्मीय माहौल में कुछ बच्चे भावुक भी हो गए। बाद में सदस्यों ने बच्चों से बातचीत की तो माहौल सामान्य हुआ और बच्चों ने कविता एवं गीत प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा दिखाई।

पढ़ाई में भी सहयोग का भरोसा : कार्यक्रम के दौरान 11वीं और 12वीं कक्षा में अध्ययनरत बच्चों की पढ़ाई को लेकर भी चर्चा हुई। सुनीता दास ने परीक्षा की तैयारी में बच्चों को अपना समय देने तथा बेहतर परिणाम के लिए मार्गदर्शन करने की सहमति दी। वहीं सेवा किटी की ओर से बच्चों को भविष्य में उच्च शिक्षा एवं कोचिंग के लिए यथासंभव सहयोग उपलब्ध कराने की बात कही गई।

सितंबर में देशभक्ति गीत प्रतियोगिता : सेवा किटी द्वारा सितंबर माह में संस्था में निवासरत बच्चों के लिए देशभक्ति सामूहिक गीत प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया है। प्रतियोगिता में विजेता समूह को पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर शगुफ्ता परवीन,इलीबा कुजूर सहित सम्प्रेक्षण गृह एवं प्लेस ऑफ सेफ्टी का स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को उनके कठिन समय में स्नेह, सम्मान और सकारात्मक वातावरण प्रदान करना रहा।

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने 93 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रानी सती तालाब 4.30 करोड़ हाईटेक बस स्टैंड 11.99 करोड़ और वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल के जीर्णोद्धार के लिए 80 लाख की जाएगी राशि स्वीकृत

जशपुरनगर 29 अगस्त 2026। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने जशपुर कम्युनिटी हॉल में जिले के विकास कार्य के लिए 93 करोड़ रुपए की सौगात दी है। उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया इनमें 86.99 करोड़ रुपए के अमृत मिशन के तहत जल प्रदाय योजना और 7 करोड़ रुपए के गंदे पानी के शुद्ध करने के लिए वाटर फिल्टर के कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार जशपुर के नगर के विकास के लिए 4 करोड़ 68 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जशपुर के विकास के लिए पैसों की कोई कमी नहीं होने देंगे,रानी सती तालाब, हाई टेक बस स्टैंड,वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल के जीर्णोद्धार,सहित अन्य कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की जाएगी। इस अवसर पर वनवासी कल्याण आश्रम के महामंत्री योगेश बापट छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत जशपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गंगा राम भगत,कलेक्टर श्री रोहित व्यास वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह,मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री योगेश्वर उपाध्याय और अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

कोरिया से सरगुजा तक सड़कों पर मौत का साया: आवारा मवेशियों का तांडव,व्यवस्था बेबस और जिम्मेदार खामोश

हर कुछ दूरी पर सड़क घेरकर बैठे मवेशी,रात में बढ़ जाता है हादसों का खतरा,किसान खेत बचाए या सड़क पर जान?

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/एमसीबी,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया से लेकर एमसीबी, सूरजपुर और सरगुजा संभाग के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने वाली सड़कों पर इन दिनों एक ऐसी समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है,जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है, राष्ट्रीय राजमार्ग हो या प्रमुख जिला मार्ग,कस्बों को जोड़ने वाली सड़कें हों या ग्रामीण संपर्क मार्ग–कई स्थानों पर आवारा मवेशियों के झुंड सड़क पर बैठे, चलते अथवा अचानक सड़क पार करते दिखाई देते हैं, वाहन चालकों के लिए यह स्थिति लगातार दुर्घटना के खतरे को बढ़ा रही है। सोनहत, घुघरा,कैलाशपुर,कटगोड़ी,नौगई,शिवघाट से लेकर पटना,जमगहना,डुमरिया,कलुवा, सूरजपुर, विश्रामपुर और सिलफिली सहित अनेक मार्गों पर स्थानीय लोगों द्वारा सड़क पर मवेशियों की मौजूदगी की समस्या उठाई जाती रही है। कई जगहों पर सड़क किनारे सुरक्षित पशु-आश्रय अथवा व्यवस्थित रोकथाम की व्यवस्था नहीं होने से मवेशी दिनभर सड़कों और रात में सड़क के बीचोंबीच बैठे नजर आते हैं।

दिन में खतरा,रात में स्थिति और गंभीर

दिन के समय वाहन चालक किसी तरह सड़क पर बैठे मवेशियों को देखकर वाहन नियंत्रित कर लेते हैं,लेकिन रात में यही समस्या बेहद खतरनाक रूप ले लेती है। अंधेरे में काले या गहरे रंग के मवेशी सड़क पर बैठे होने के कारण अचानक सामने दिखाई देते हैं,तेज रफ्तार वाहन चालक को प्रतिक्रिया देने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता,विशेषकर दोपहिया वाहन चालक, बाइक सवार,ऑटो और छोटे चारपहिया वाहन अधिक जोखिम में रहते हैं। मवेशी को बचाने के प्रयास में वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाता है या दिशा बदलता है तो सामने से आने वाले वाहन से टक्कर की आशंका भी बढ़ जाती है,सवाल यह है कि जिस सड़क पर वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और गति नियंत्रित रखने की अपेक्षा की जाती है,उसी सड़क को यदि मवेशियों के झुंड घेर लें तो उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी होगी?

एक मवेशी नहीं,पूरा झुंड बन रहा दुर्घटना का कारण

समस्या केवल एक-दो आवारा पशुओं तक सीमित नहीं है, कई स्थानों पर मवेशी झुंड के रूप में सड़क पर दिखाई देते हैं,एक मवेशी सड़क पार करता है तो उसके पीछे कई अन्य पशु भी अचानक सड़क पार करने लगते हैं, वाहन चालक एक पशु को बचाने की कोशिश करता है और उसी दौरान दूसरा पशु सामने आ जाता है। यही स्थिति रात के समय और अधिक भयावह हो जाती है,कई बार सड़क के बीच बैठे मवेशी वाहन की रोशनी पड़ने पर अचानक उठकर दौड़ने लगते हैं,जिससे दुर्घटना की संभावना और बढ़ जाती है।

कागजों में योजनाएं, जमीन पर सड़क ही बना पशुओं का ठिकाना

छत्तीसगढ़ में बेसहारा पशुओं के लिए समय-समय पर विभिन्न योजनाएं और व्यवस्थाएं बनाई गईं,पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में गौठान योजना को बड़े स्तर पर लागू किया गया। बाद में व्यवस्था में बदलाव के साथ पशुओं के लिए प्रभावी वैकल्पिक व्यवस्था और गौधाम जैसी अवधारणाओं की चर्चा भी सामने आई, लेकिन जमीनी सवाल आज भी वही है–सड़क पर घूम रहे इन मवेशियों के लिए वर्तमान में वास्तविक और स्थायी व्यवस्था आखिर कहां है? यदि गांवों और नगरीय क्षेत्रों में पर्याप्त पशु-आश्रय उपलब्ध हैं तो मवेशी सड़कों तक क्यों पहुंच रहे हैं? यदि व्यवस्था है तो उसका संचालन और निगरानी कौन कर रहा है? और यदि व्यवस्था नहीं है तो जिम्मेदार विभाग इस समस्या के समाधान के लिए क्या कर रहे हैं?

पशु मालिकों की जवाबदेही भी तय हो- हर आवारा मवेशी बेसहारा है, ऐसा मान लेना भी समस्या का एक पक्ष छिपा देता है, ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ऐसे पशु भी होते हैं जिन्हें उनके मालिक दूध देने अथवा उपयोगी रहने तक रखते हैं और बाद में खुले में छोड़ देते हैं, ऐसे पशुओं की पहचान, टैगिंग और मालिकों की जवाबदेही तय करने की व्यवस्था प्रभावी तरीके से लागू होनी चाहिए। यदि किसी पशु का मालिक निर्धारित किया जा सकता है तो उसे खुले में छोड़ने की स्थिति में जिम्मेदार ठहराने की व्यवस्था पर गंभीरता से अमल होना चाहिए।

किसान की फसल भी खतरे में,सड़क भी...

आवारा मवेशियों की समस्या का सबसे बड़ा असर केवल सड़क सुरक्षा पर नहीं पड़ रहा,इसका सीधा असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों पर भी पड़ रहा है,दिन के समय यही मवेशी खेतों में घुसकर खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। किसान महंगे बीज,खाद,दवाइयां और डीजल का खर्च उठाकर फसल तैयार करता है,लेकिन आवारा पशुओं का झुंड कुछ ही घंटों में उसकी मेहनत पर पानी फेर सकता है।

किसान के सामने दोहरी परेशानी है...खेत में फसल बचाए या सड़क पर पशुओं को रोकने की व्यवस्था करे?

छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह समस्या और गंभीर है,क्योंकि फसल का नुकसान सीधे उनकी आय और परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करता है।

पंचायत से लेकर नगरीय निकाय तक जवाबदेही जरूरी- यह समस्या किसी एक विभाग के भरोसे हल होने वाली नहीं है, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत, नगरीय निकाय, पशुपालन विभाग, राजस्व प्रशासन, पुलिस और सड़क से संबंधित विभागों के बीच समन्वित व्यवस्था की आवश्यकता है।

प्रत्येक प्रमुख मार्ग के लिए यह तय होना चाहिए कि—

- सड़क पर घूमने वाले मवेशियों को कौन पकड़ेगा?
- उन्हें कहां रखा जाएगा?
- पशु-आश्रय की क्षमता कितनी है?
- चारे और पानी की व्यवस्था कौन करेगा?
- पशुओं की टैगिंग और रिकॉर्ड कौन रखेगा?
- पशु मालिकों की पहचान कैसे होगी?
- दुर्घटना संभावित स्थानों पर चेतावनी संकेत कौन लगाएगा?
- रात में सड़क से मवेशियों को हटाने की निगरानी कौन करेगा? जब तक इन सवालों के स्पष्ट जवाब और जिम्मेदार अधिकारी तय नहीं होंगे,तब तक समस्या केवल बैठकों और कागजी आदेशों तक सीमित रहने की आशंका बनी रहेगी।

सड़क सुरक्षा अभियान केवल हेलमेट तक सीमित क्यों?- प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा के नाम पर समय-समय पर हेलमेट, सीट बेल्ट और शराब पीकर वाहन चलाने के खिलाफ अभियान चलाए जाते हैं, यह आवश्यक भी है, लेकिन सड़क पर बैठे मवेशियों से होने वाले जोखिम को भी सड़क सुरक्षा की गंभीर श्रेणी में शामिल करने की जरूरत है, प्रमुख मार्गों पर ब्लैक स्पॉट की तरह कैटल-हॉटस्पॉट चिन्हित किए जा सकते हैं। जहां लगातार मवेशियों के झुंड मिलते हैं, वहां चेतावनी संकेत,पर्याप्त स्ट्रीट लाइट,रिफ्लेक्टिव मार्किंग और आवश्यकता अनुसार बैरियर जैसी व्यवस्थाएं की जा सकती हैं।

रात में विशेष निगरानी की जरूरत- कई ग्रामीण और अंतर-जिला मार्गों पर रात के समय यातायात काफी बढ़ जाता है, ऐसे मार्गों पर शाम से देर रात तक विशेष निगरानी दल अथवा संबंधित स्थानीय निकायों की टीम सक्रिय रखी जा सकती है, सड़क पर बैठे मवेशियों को तत्काल हटाने के लिए हेल्पलाइन नंबर और त्वरित रिस्पांस टीम की व्यवस्था भी उपयोगी हो सकती है। यदि कोई वाहन चालक सड़क पर मवेशियों का झुंड देखता है तो वह तत्काल सूचना दे सके और संबंधित टीम मौके पर पहुंचकर रास्ता सुरक्षित कर सके।

दुर्घटना के बाद मुआवजा नहीं, दुर्घटना से पहले रोकथाम जरूरी- हर हादसे के बाद प्रशासन संवेदना व्यक्त करता है, घायल को अस्पताल पहुंचाया जाता है और मृतक के परिजनों को सहायता दिए जाने की प्रक्रिया शुरू होती है। लेकिन सवाल यह है कि दुर्घटना होने के बाद की व्यवस्था से ज्यादा जरूरी दुर्घटना को पहले ही रोकना नहीं है? यदि किसी मार्ग पर लगातार मवेशियों के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं तो उस मार्ग को चिन्हित कर स्थायी समाधान क्यों नहीं किया जाता?

क्या प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार है?- मवेशियों की भी जान जा रही है, यह समस्या केवल इंसानों की सुरक्षा से जुड़ी नहीं है, सड़क पर बैठे मवेशी भी तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आकर घायल या मृत हो जाते हैं, कई बार दुर्घटना में वाहन चालक और पशु दोनों को नुकसान होता है,इसलिए यह मुद्दा मानवीय सुरक्षा,पशु संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था–तीनों से जुड़ा हुआ है।

सरकार को चाहिए लंबी अवधि की ठोस नीति- सड़कों से मवेशियों को हटाने के लिए केवल अभियान चलाकर समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है,इसके लिए गांव स्तर पर पशु-आश्रय,पर्याप्त चारा-पानी,पशु चिकित्सा सुविधा,टैगिंग, मालिकों की जवाबदेही और नियमित निगरानी की एकीकृत व्यवस्था जरूरी है,साथ ही यह भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए कि जिले में पशुओं के लिए कितने आश्रय केंद्र संचालित हैं, उनकी क्षमता कितनी है और वर्तमान में कितने पशु वहां रखे गए हैं।

सबसे बड़ा सवाल—जवाबदेही किसकी?- कोरिया से लेकर सरगुजा तक यदि प्रमुख सड़कों पर लगातार आवारा मवेशियों के झुंड दिखाई दे रहे हैं तो यह केवल पशुओं की समस्या नहीं है। यह प्रशासनिक निगरानी, सड़क सुरक्षा और स्थानीय निकायों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा करता है, आम नागरिक से यातायात नियमों के पालन की अपेक्षा बिल्कुल जायज है, लेकिन नागरिकों को सुरक्षित सड़क उपलब्ध कराना भी शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है, आज जरूरत इस बात की है कि प्रशासन सड़क किनारे लगे किसी बोर्ड या कागजी आदेश तक सीमित न रहे,बल्कि जमीन पर उतरकर समस्या का स्थायी समाधान करे, क्योंकि सड़क पर बैठा एक मवेशी सिर्फ एक पशु नहीं–किसी परिवार के लिए अचानक आने वाली त्रासदी का कारण बन सकता है,कोरिया से सरगुजा तक जनता का सवाल सीधा है...क्या प्रशासन हादसे के बाद जागेगा या हादसा होने से पहले सड़कों को सुरक्षित करेगा?

सूरजपुर की बेटी सोनिका राजवाड़े को मिलेगा इस वर्ष का शहीद कौशल यादव सम्मान

3000 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन से बनाई पहचान

-संवाददाता-

सूरजपुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

जिले के खेल जगत के लिए गौरव और हर्ष का विषय है कि नगर पंचायत प्रेमनगर की होनहार एथलीट सोनिका राजवाड़े,पिता भूपेंद्र राजवाड़े, का चयन एथलेटिक्स के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित शहीद कौशल यादव सम्मान 2025-26 के लिए किया गया है, सोनिका की इस उपलब्धि से सूरजपुर सहित पूरे सरगुजा संभाग में खुशी का माहौल है। खास बात यह है कि सोनिका राजवाड़े सरगुजा संभाग से इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित होने वाली जिले की पहली खिलाड़ी बनने जा रही हैं, उनकी इस उपलब्धि ने जिले के खेल जगत को नई पहचान दिलाने के साथ ही क्षेत्र की उभरती खेल प्रतिभाओं के लिए भी उम्मीद और प्रेरणा की नई किरण जगाई है, इस सम्मान में सोनिका को छत्तीसगरह शासन से डेढ़ लाख रुपये नगद व प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।

सूरजपुर से शुरू हुआ सफर,अब भोपाल में जारी है प्रशिक्षण- सोनिका ने अपने खेल करियर के महत्वपूर्ण दौर में करीब ढाई वर्षों तक जिला एथलेटिक्स संघ सूरजपुर में 3000 मीटर दौड़ का नियमित प्रशिक्षण प्राप्त किया, इस दौरान उन्होंने कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारा,जिला एथलेटिक्स संघ सूरजपुर के अध्यक्ष एवं कोच नरेश कुमार कुशवाहा तथा अश्लेश राजवाड़े के मार्गदर्शन में सोनिका ने प्रशिक्षण लेकर अपनी दौड़ में लगातार सुधार किया, मैदान पर उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम रहा कि उन्होंने 3000 मीटर दौड़ में अपनी अलग पहचान बनाने में सफलता हासिल की।

छोटे शहर की बेटी,बड़े सपनों की उड़ान- सोनिका राजवाड़े की सफलता केवल एक खिलाड़ी की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह सूरजपुर और पूरे सरगुजा क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक संदेश है,उन्होंने साबित किया है कि छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों से निकलने वाली प्रतिभाओं में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने की पूरी क्षमता है,जरूरत है तो सही मार्गदर्शन, बेहतर प्रशिक्षण,अनुशासन और निरंतर मेहनत की,सोनिका की उपलब्धि जिले के उन बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा है,जो खेल के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

प्रतिभाओं को मंच देना जिला एथलेटिक्स संघ का लक्ष्य- जिला एथलेटिक्स संघ सूरजपुर का उद्देश्य जिले की अधिक से अधिक खेल प्रतिभाओं को एथलेटिक्स से जोड़ना तथा उन्हें नियमित प्रशिक्षण,उचित मार्गदर्शन और प्रतियोगिताओं के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराना है।

टीएमसी पांडोपारा/झिलमिली साइड के स्टोर में 50 लाख की चोरी का खुलासा,चार आरोपी गिरफ्तार

कोरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई: करीब 40 लाख रुपये के चोरी गए धातु के पार्ट्स बरामद,तीन कट्टे, टॉर्च,मोबाइल और नकदी भी जब्त; अन्य आरोपियों की तलाश जारी

-संवाददाता-

कोरिया,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)।

थाना पटना क्षेत्र अंतर्गत टीएमसी पांडोपारा/झिलमिली साइड के स्टोर में हुई करीब 50 लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है,पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से चोरी किए गए सामान में से करीब 40 लाख रुपये कीमत के तांबा,पीतल और कांसा धातु से निर्मित मशीनरी पार्ट्स बरामद किए गए हैं। मामले में पुलिस ने हथियार भी जब्त किए हैं, वहीं चोरी में शामिल अन्य आरोपियों की पतासाजी और शेष चोरी गए माल की बरामदगी के लिए विवेचना जारी है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार घटना 22 अगस्त 2026 की रात करीब 1:34 बजे थाना पटना क्षेत्र अंतर्गत पांडोपारा स्थित टीएमसी कंपनी के झिलमिली साइड स्टोर में हुई थी,स्टोर में कोयला खनन कार्य में उपयोग होने वाली मशीनों के विभिन्न पार्ट्स रखे हुए थे,चोरों ने स्टोर को निशाना बनाते हुए बड़ी मात्रा में तांबा, पीतल एवं कांसा धातु से निर्मित मशीनरी पार्ट्स पार कर दिए थे, चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई गई थी।

24 अगस्त को दर्ज हुई थी शिकायत- घटना के संबंध में परियोजना में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत श्यामल मैती,पिता अभिमन्यु मैती,उम्र 38 वर्ष, निवासी एमपी नगर बैकुंठपुर ने 24 अगस्त 2026 को थाना पटना में शिकायत दर्ज कराई थी, शिकायत के आधार पर थाना पटना में अपराध क्रमांक 228/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं सहित आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह के निर्देशन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी आशा सेन और राजेश साहू के मार्गदर्शन में थाना पटना एवं साइबर सेल की टीम को आरोपियों की पतासाजी और चोरी गए माल की बरामदगी के लिए लगाया गया।

पूछताछ में सामने आया 9-10 लोगों का गिरोह- पुलिस के मुताबिक मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर उन्हें पकड़कर

पूछताछ की गई,पूछताछ के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी मिली कि आरोपियों ने 21-22 अगस्त की दरम्यानी रात टीएमसी स्टोर की छत का सीट काटकर अंदर प्रवेश किया और मशीनों के महंगे धातु पार्ट्स चोरी किए, पुलिस के अनुसार आरोपियों ने चोरी के बाद सामान को तत्काल बेचने के बजाय पहले उसे बड़सरा जंगल में छिपाकर रखा,इसके बाद चोरी किए गए सामान को अलग-अलग स्थानों पर बेचने की योजना बनाई गई,जांच में यह भी सामने आया कि चोरी के माल का एक हिस्सा अब्बुल वासिम उर्फ गोलू मियां के पास ले जाकर बेचा गया,पुलिस के अनुसार वह कबाड़ी का काम करता है,वहीं चोरी किए गए कुछ सामान को आरोपियों द्वारा अपने घर में रखा गया था और कुछ हिस्सा अन्य कबाड़ी को बेच दिए जाने की जानकारी भी पूछताछ में सामने आई।

निशानदेही पर 40 लाख का माल बरामद- आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने करीब 40 लाख रुपये कीमत के चोरी किए गए तांबा,पीतल और कांसा धातु से निर्मित मशीनरी पार्ट्स बरामद किए हैं,इसके अलावा पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किए जाने वाले तीन हथियार,एक टॉर्च,मोबाइल फोन और 1,500 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। बरामदगी के बाद पुलिस अब चोरी गए शेष माल और मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

चार आरोपी गिरफ्तार, पुलिस के अनुसार मामले में गिरफ्तार आरोपियों में...

- किशन कुमार, पिता राजेन्द्र, उम्र 24 वर्ष
- मंगलराम उर्फ गोलू,पिता स्वर्गीय जनक, उम्र 24 वर्ष
- करण, पिता चंद्रसाद बसोर,उम्र 24 वर्ष
- अब्दुल वासिम उर्फ गोलू मियां, पिता अब्दुल कमाल,उम्र 30 वर्ष शामिल हैं,पुलिस ने चारों आरोपियों को 27 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की जानकारी दी है। वहीं अन्य फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

कबाड़ी तक पहुंचा चोरी का माल

पुलिस की जांच में सामने आए घटनाक्रम के अनुसार चोरी के बाद आरोपियों ने माल को अलग-अलग स्थानों पर छिपाया और बाद में उसे बेचने की कोशिश की,पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर कबाड़ी के कब्जे से भी चोरी किए गए धातु के पार्ट्स बरामद किए हैं,इससे पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि चोरी के माल को खरीदने और खपाने में कितने लोग शामिल थे,चोरी के सामान की बिक्री से जुड़े लोगों की भूमिका भी विवेचना के दायरे में है।

पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका- पुलिस के अनुसार आरोपियों की पतासाजी, गिरफ्तारी और चोरी के माल की बरामदगी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह,एसडीओपी आशा सेन,राजेश साहू तथा थाना प्रभारी प्रमोद पाण्डेय के मार्गदर्शन में पुलिस टीम और साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही,साइबर सेल की टीम प्रभारी निरीक्षक अमोल खलखो सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तकनीकी जानकारी और पूछताछ के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में सहयोग किया।

शेष माल और अन्य आरोपियों की तलाश जारी- पुलिस ने बताया कि चोरी किए गए आधे से अधिक माल की बरामदगी की जा चुकी है, जबकि चोरी गए शेष सामान और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है, पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में मशीनरी पार्ट्स की चोरी की योजना किसने बनाई और चोरी के बाद माल को खपाने में कौन-कौन लोग शामिल रहे, 50 लाख रुपये की चोरी में करीब 40 लाख रुपये का माल बरामद होना पुलिस की कार्रवाई की बड़ी सफलता मानी जा रही है, हालांकि मामले की पूरी तस्वीर तब सामने आएगी, जब फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, शेष माल की बरामदगी और चोरी के पूरे नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका स्पष्ट होगी।

CMYK

छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को तलाशने,तराशने और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 126 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को प्रदान किए राज्य खेल अलंकरण

666 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को मिली 1.74 करोड़ रुपए से अधिक की पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि

रायपुर,29 अगस्त 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री साय ने वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के लिए 126 उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को राज्य खेल अलंकरण प्रदान किए। समारोह में राज्य खेल अलंकरण प्राप्त खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के साथ ही 540 अन्य खिलाड़ियों को भी नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 666 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को 1 करोड़ 74 लाख 19 हजार रुपए की पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री साय ने समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में खिलाड़ी का परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता,बल्कि उसकी सफलता से पूरे प्रदेश और देश का गौरव बढ़ता है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को संसाधनों और अवसरों की कमी के कारण पीछे न रहना पड़े। समारोह में उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव,केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू,संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल,तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब,सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं विजय बघेल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में अनेक ऐसे युवा हैं, जिनमें खेलों की स्वाभाविक प्रतिभा है। उन्हें आधुनिक प्रशिक्षण और उचित मंच उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जा सकते हैं। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक विविधता विभिन्न खेलों के लिए अनुकूल है। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है,आवश्यकता इन प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखारने और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर देने की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार इसी दिशा में लगातार कार्य कर रही है। केंद्र सरकार की खेलो इंडिया जैसी पहलों से देशभर में खेलों के प्रति नया उत्साह और सकारात्मक वातावरण बना है। इसका लाभ छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को भी मिल रहा है। साव ने बिलासपुर खेल अकादमी की गीता यादव और मधु सिदार का एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चयन होने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है।

प्रदेश की प्रतिभाएं निरंतर बड़े मंचों तक पहुंच रही हैं। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद ने अपने खेल से भारत को दुनिया में गौरवान्वित किया। आज उनके पदचिह्नों पर चलते हुए छत्तीसगढ़ के बेटे-बेटियां विभिन्न खेलों में प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खिलाड़ियों को प्रोत्साहन,आधुनिक सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने के कारण देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए शासकीय सेवा के अवसर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जा रहा है। राज्य सरकार खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए भी लगातार कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में प्रदेश के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची जारी की गई है, जिससे उनके लिए शासकीय सेवा में नियुक्ति का रास्ता खुला है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को सम्मान और प्रोत्साहन देने के साथ उनके भविष्य को संवारना भी सरकार की प्राथमिकता है। इससे प्रदेश के युवाओं में खेलों को करियर के रूप में अपनाने का विश्वास और मजबूत होगा।

बस्तर की खेल प्रतिभाओं को मिला बड़ा मंच

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत उन्हें पहचानने, अवसर देने और उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक के पहले आयोजन में 1 लाख 65 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया था। दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर 3 लाख 91 हजार तक पहुंच गई। इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का खेल मैदान तक आना बस्तर में आ रहे सकारात्मक बदलाव और युवाओं के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से भी स्थानीय प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर दिया गया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया। इन आयोजनों के जरिए राज्य सरकार प्रतिभाओं को तलाशने के साथ उन्हें प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा का बेहतर वातावरण उपलब्ध करा रही है।

पांच मिशन के जरिए खेलों को नई ऊंचाई देने की तैयारी

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए पांच मिशन पर काम कर रही है। इनमें मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन भी शामिल है। इसके लिए 100 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल प्रतियोगिताएं आयोजित करना नहीं,बल्कि प्रतिभाओं की पहचान से लेकर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन, बेहतर खेल अधोसंरचना और बड़े मंचों तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने की समग्र व्यवस्था विकसित करना है। इससे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे।

प्रदेश में मजबूत हो रही खेल अधोसंरचना

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का तेजी से विकास किया जा रहा है। कुनकुरी,रायगढ़ और रायपुर में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीरंदाजी के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नवा रायपुर में लगभग 67 करोड़ रुपए की लागत से एकेडमी का निर्माण किया जा रहा है। इसी तरह पहाड़ी कोरवा समुदाय की नैसर्गिक तीरंदाजी प्रतिभा को निखारने के लिए पंडरापाट में लगभग 18 करोड़ रुपए की लागत से तीरंदाजी अकादमी विकसित की जा रही है।

बिलासपुर की मंजू राय चौधरी से हुआ संपर्क कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गई थीं महिला

रायपुर,29 अगस्त 2026। नेपाल में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण कई इलाकों में हालात गंभीर बने हुए हैं। इस प्राकृतिक आपदा के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने नेपाल में मौजूद प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा को लेकर निगरानी बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर प्रशासन लगातार वहां मौजूद छत्तीसगढ़ के लोगों से जुड़ी जानकारी जुटा रहा है। अभी तक मिली सूचनाओं के अनुसार प्रदेश से जुड़े नौ नागरिकों की स्थिति के बारे में जानकारी सामने आई है। इनमें रायपुर के पांच नागरिक सुरक्षित बताए गए हैं और वे भारत लौटने के लिए रवाना हो चुके हैं। वहीं बिलासपुर और सरगुजा से जुड़े दो लोगों के लापता होने की सूचना है।

बिलासपुर की मंजू राय चौधरी से हुआ संपर्क : नेपाल में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए गई बिलासपुर निवासी 65 वर्षीय मंजू राय चौधरी के संबंध में प्रशासन को महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। उनके परिजनों से संपर्क स्थापित हो चुका है। प्रशासन की ओर से उपलब्ध सूचनाओं का सत्यापन किया जा रहा है और नेपाल में संबंधित एजेंसियों के साथ आवश्यक समन्वय भी किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि नेपाल में मौजूद प्रत्येक नागरिक की स्थिति की सही जानकारी जल्द से जल्द प्राप्त हो सके।

रायपुर के पांच नागरिक सुरक्षित, लौटने की तैयारी : रायपुर के माना क्षेत्र से जुड़े पांच नागरिकों के सुरक्षित होने की पुष्टि हुई है। इनमें दिनेश ओझा, प्रेम सिंह जगत,नारायण सेन,यतेंद्र प्रकाशी और दिनेश सिंह ठाकुर शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक,सभी पांचों नागरिक 21 अगस्त को नेपाल गए थे। वहां बाढ़ और भूस्खलन से हालात बिगड़ने के बाद उन्होंने वापस लौटने का फैसला किया। फिलहाल सभी नागरिक सुरक्षित हैं और रायपुर लौटने के लिए रवाना हो चुके हैं।

दो नागरिकों के लापता होने से बढ़ी चिंता

छत्तीसगढ़ से जुड़े दो अन्य नागरिकों की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। बिलासपुर और सरगुजा से संबंधित इन दोनों लोगों के लापता होने की सूचना प्रशासन तक पहुंची है। इसके बाद संबंधित जिला प्रशासन ने उनकी तलाश और स्थिति का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। नेपाल में संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों से संपर्क कर इन दोनों नागरिकों की जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों को भी उपलब्ध सूचनाओं से लगातार अवगत कराने का प्रयास किया जा रहा है।

गोवा वेस्टिन होटल कुर्की को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

हाईकोर्ट बोला...पर्याप्त सबूत,शराब घोटाले की रकम से 110 करोड़ में खरीदा गया

बिलासपुर,29 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाले और कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने की। अदालत ने याचिकाकर्ताओं की ओर से उठाई गई आपत्तियों पर विचार करने के बाद ईडी की कार्रवाई में तत्काल हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने माना कि जांच एजेंसी के पास कार्रवाई के लिए पर्याप्त सामग्री और साक्ष्य मौजूद हैं।

110 करोड़ के गोवा होटल की कुर्की बनी विवाद की वजह

यह मामला गोवा में स्थित करीब 110 करोड़ रुपये मूल्य के एक लग्जरी होटल की कुर्की से जुड़ा है। ईडी ने जांच के दौरान नॉर्थ गोवा के अंजुना स्थित फाइव स्टार द वेस्टिन होटल को कुर्क किया था। जांच एजेंसी का दावा है कि यह संपत्ति कथित शराब घोटाले से हासिल अपराध की कमाई का इस्तेमाल करके खरीदी गई थी। इसी कुर्की आदेश को होटल से जुड़े पक्ष ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

राहुल अग्रवाल और कंपनी ने दाखिल की थी याचिका : नई दिल्ली निवासी डॉ. राहुल अग्रवाल और मेसर्स पैसिफिका होटल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने ईडी द्वारा 28 मई 2026 को जारी किए गए प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर को रद्द करने की मांग की थी। इसी आदेश के तहत गोवा स्थित होटल को जांच के दौरान कुर्क किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अदालत से राहत की मांग की थी।

कोर्ट ने ट्रिब्यूनल जाने का दिया विकल्प : सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी आपत्तियां संबंधित ट्रिब्यूनल और सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रख सकते हैं। अदालत ने इस स्तर पर ईडी की कार्रवाई को रद्द करने से इनकार कर दिया। कोर्ट के इस रुख के बाद होटल की कुर्की के खिलाफ याचिकाकर्ताओं को अब वैधानिक प्रक्रिया के तहत संबंधित मंच पर अपना पक्ष रखने का रास्ता अपनाना होगा।

ईडी का दावा, घोटाले की रकम से खरीदी गई संपत्ति : ईडी की जांच के अनुसार, छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से कथित तौर पर जुटाई गई अवैध रकम का एक हिस्सा डॉ. राहुल अग्रवाल के चाचा और दुर्ग निवासी विजय कुमार अग्रवाल तक पहुंचाया गया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि करीब 110 करोड़ रुपये की राशि नकद के रूप में पहुंचाई गई।

होटल खरीद में 50 करोड़ बैंकिंग चैनल से दिए गए : जांच एजेंसी के अनुसार,गोवा के अंजुना स्थित वेस्टिन होटल का सौदा मेसर्स सर बायोटेक इंडिया लिमिटेड के साथ किया गया था। ईडी का दावा है कि इस लेनदेन में करीब 50 करोड़ रुपये का भुगतान बैंकिंग माध्यम से किया गया और यह रकम रजिस्टर्ड सेल डीड में दर्ज थी। वहीं,एजेंसी के मुताबिक बाकी करीब 60 करोड़ रुपये का भुगतान कथित तौर पर नकद किया गया था। जांच में इसी नकद भुगतान को लेकर भी महत्वपूर्ण सवाल उठाए गए हैं। ईडी ने होटल को कथित अपराध से हुई कमाई से बनाई गई संपत्ति माना है। एजेंसी की कार्रवाई का आधार मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े आरोप और संपत्ति की खरीद में इस्तेमाल धनराशि का स्रोत बताया गया है। हालांकि,आरोपों पर अंतिम न्यायिक निष्कर्ष संबंधित कानूनी प्रक्रिया के बाद ही सामने आएगा।

बिलासपुर में दो पक्षों में हिंसक झड़प

सोशल मीडिया पर विवादित कमेंट पर भड़का विवाद,कई पुलिसकर्मी घायल

बिलासपुर,29 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में देर रात सोशल मीडिया पर हिंदू विरोधी कमेंट्स को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। तनाव बढ़ने के बाद पथराव हो गया। बीच-बचाव करने पहुंची पुलिस पर भी पथराव हुआ। कई पुलिसकर्मी और आम लोग घायल हो गए हैं। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही विधायक सुशांत शुक्ला ने भी निरीक्षण किया। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के खपरगंज इलाके का है। इस पूरे विवाद की शुरुआत सोशल मीडिया पर कमेंट के बाद हुआ। बताया जा रहा है कि कहासुनी से शुरू हुआ मामला हिंसक बन गया। इसके बाद देखते-देखते पथराव हो गया. दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए घटनास्थल पर पहुंची पुलिस की गाड़ी पर लोगों ने हमला कर दिया। बिलासपुर एसएसपी रजनेश सिंह का कहना है कि दो लोगों में विवाद हुआ। पुरानी रंजिश के मामले में एक ने दूसरे पर पत्थर से हमला कर दिया। इसके बाद कई अन्य लोग वहां पहुंचे। इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से पथराव होने लगा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को खदेड़ा और पेट्रोलिंग की जा रही है। इस मामले जो भी आरोपी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। टीआई समेत दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। एसएसपी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से ग्रामीण क्षेत्रों से पुलिस बल को बुलाया गया है।

आईएफएस विवेक आचार्य को छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम मिली नई जिम्मेदारी

रायपुर,29 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ शासन ने भारतीय वन सेवा के अधिकारी विवेक आचार्य की नई पदस्थापना का आदेश जारी किया है। 2006 बैच के आईएफएस अधिकारी विवेक आचार्य की पर्यटन मंडल में प्रबंध संचालक के पद पर प्रतिनियुक्ति समाप्त होने के बाद उन्हें वापस वन विभाग में पदस्थ किया गया है। शासन के आदेश के मुताबिक,उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, नवा रायपुर अटल नगर के कार्यकारी संचालक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया गया है। यह पदस्थापना आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार,18 अगस्त 2026 को विवेक आचार्य की पर्यटन मंडल,रायपुर के प्रबंध संचालक पद पर प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उनकी सेवाएं वन विभाग को वापस कर दी गई थीं। इसी आदेश के बाद राज्य शासन ने उनकी नई जिम्मेदारी तय की है। अब वह छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कार्यकारी संचालक के रूप में काम करेंगे। विवेक आचार्य भारतीय वन सेवा के 2006 बैच के अधिकारी हैं। इससे पहले वह छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल में प्रबंध संचालक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।नई पदस्थापना के बाद अब उन्हें वन विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व की जिम्मेदारी मिली है। शासन के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि उनकी यह नियुक्ति अस्थायी रूप से और आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी। कार्यकारी संचालक के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद विवेक आचार्य छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के प्रशासनिक और संचालन से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी नई पदस्थापना के साथ निगम के कामकाज में उनकी नई भूमिका शुरू होगी।

बिलासपुर में ट्रक ने 3 युवकों को कुचला,मौत

बाइक सवारों को 30 फीट तक घसीटता ले गया

बिलासपुर,29 अगस्त 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शनिवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 3 युवकों को टक्कर मार दी। तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद ट्रक बाइक को 30 फीट तक घसीटता रहा। बाइक बुरी तरह डैमेज हो गई और तीनों के शव सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। घटना तखतपुर थाना क्षेत्र के जूनापारा पुलिस चौकी के पास की है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। इसके अलावा आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। जूनापारा के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक बाइक को कुछ दूर तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे में तीनों युवकों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर आवाजाही बंद रही। सूचना मिलते ही जूनापारा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने भीड़ हटाकर यातायात व्यवस्था बहाल कराई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया। मृतकों के पास तत्काल पहचान से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले हैं। पुलिस आसपास के गांवों में संपर्क कर मृतकों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

भूपेश बोले...सोनिया गांधी की किताब से बीजेपी को खतरा...कहा...निडर महिला हैं,अपने अनुभवों पर लिखेंगी तो भाजपा को हो सकता है नुकसान

रायपुर,29 अगस्त 2026। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की किताब 'Belonging' को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भाजपा पर हमलावर हैं। किताब के भारत में प्रकाशन को लेकर सामने आई खबरों के बाद बघेल ने सोनिया गांधी का समर्थन करते हुए कहा कि कायर लोग किताबों और विचारों से डरते हैं। बघेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा...'कायर लोग किताबों से डरते हैं! किताबों के छपने और पढ़े जाने से डरते हैं।' उन्होंने कहा कि इसी डर की वजह से किताब छापने वालों को डराया-धमकाया जाता है। बघेल के मुताबिक, सोनिया गांधी की किताब दुनियाभर में प्रकाशित हो रही है, लेकिन भारत में एक प्रकाशक ने इसे छापने से इनकार कर दिया है।

उन्होंने इसे कायराना हरकत बताते हुए कहा कि किताब आएगी और पढ़ी भी जाएगी। मीडिया से बातचीत में भी बघेल ने इसी मुद्दे पर भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी निडर महिला हैं। अगर वह अपने अनुभवों पर किताब लिखती हैं तो हो सकता है भाजपा की सेहत को इससे खतरा हो, इसलिए किताब को रोकने की कोशिश की जा रही है। बघेल का आरोप है कि किताब में सोनिया गांधी के अनुभव और उनकी बातें सामने आने से भाजपा असहज हो सकती है। इसी वजह से किताब के भारत में प्रकाशन को लेकर विवाद खड़ा हुआ है।

CMYK

यश को मिला किच्चा सुदीप का साथ,टॉक्सिक को लेकर बोले एक्टर...ऐसा रिस्क उठाने के लिए जिगर चाहिए

किच्चा सुदीप ने टॉक्सिक में यश की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने एक आम आम कमर्शियल फिल्म बनाने के बजाय अलग रास्ता चुनने के लिए रॉकिंग स्टार की जमकर तारीफ की।

यश की फिल्म टॉक्सिक :ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और ओपनिंग डे पर बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की। फिल्म के क्रेज का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पहले ही दिन फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। यश के फैंस को ये फिल्म बेहद पसंद आई, लेकिन दूसरे और तीसरे दिन फिल्म की कमाई में कुछ गिरावट देखने को मिली। सोशल मीडिया पर कई यूज़र्स यश की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए पोस्ट शेयर कर रहे हैं और साथ ही फिल्म के भव्य प्रोडक्शन की भी तारीफ कर रहे हैं। अब कन्नड़ सिनेमा के स्टार किच्चा सुदीप ने भी टॉक्सिक पर अपनी राय शेयर की है। किच्चा सुदीप ने यश की तारीफ करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने यश की इस बात के लिए भी तारीफ की कि उन्होंने अपनी पिछली कमर्शियल ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद आम रास्ता नहीं चुना।

किच्चा सुदीप ने टॉक्सिक के लिए यश की तारीफ की

शुक्रवार को अपने एक्स हैंडल (पहले ट्विटर) पर किच्चा सुदीप ने यश और टॉक्सिक की तारीफ करते हुए एक पोस्ट

शेयर किया, जिसमें लिखा,मैं बस इतना कहना चाहता हूं यश कि आपने अपनी पिछली कमर्शियल ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद कोई आम, उम्मीद के मुताबिक या फ़ॉर्मूले वाली फिल्म बनाने के बजाय सच में कुछ हटकर करने की कोशिश की है। ऐसी चीज करने के लिए अलग सोच, पक्का इरादा और सबसे जरूरी बात, हिम्मत और जिगर की जरूरत होती है। टॉक्सिक सच में एक अनोखी और तारीफ के काबिल कोशिश है। इस फिल्म में ऐसे कई हिस्से हैं जो दिलचस्प लगते हैं और जिन पर अच्छी बहस हो सकती है। ये सीखने और चर्चा का मौका है। कुछ नया और लीक से हटकर करने की हिम्मत दिखाने के लिए आपको बधाई। ढेर सारी शुभकामनाएं मेरे दोस्त।

टॉक्सिक ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की है?

टॉक्सिक के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो ट्रेड ट्रैकर के अनुसार, यश की फिल्म तीन दिनों में वर्ल्डवाइड 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। दुनियाभर में फिल्म ने 221 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है और विदेशों में इसकी कमाई 23.25 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। वहीं भारत में 101.10 करोड़ रुपये से ओपनिंग करने वाली ये फिल्म तीन दिनों में 165.95 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। भारत में तीसरे दिन की कमाई की बात करें तो, यश की टॉक्सिक ने 19,390 शो में 27.20 करोड़ रुपये कमाए।

केजीएफ: चैप्टर 2 के बाद यश की पहली फिल्म

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म टॉक्सिक, यश की केजीएफ चेप्टर 2 के बाद पहली बड़ी रिलीज है, जिसमें उनके साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई दे रहे हैं और इसकी कहानी पुर्तगाली औपनिवेशिक काल के दौरान गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है और एक गैंगस्टर के उभार और उसके पतन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म यश के उस पारंपरिक एक्शन अवतार से काफी अलग है, जिसके लिए वे जाने जाते हैं।

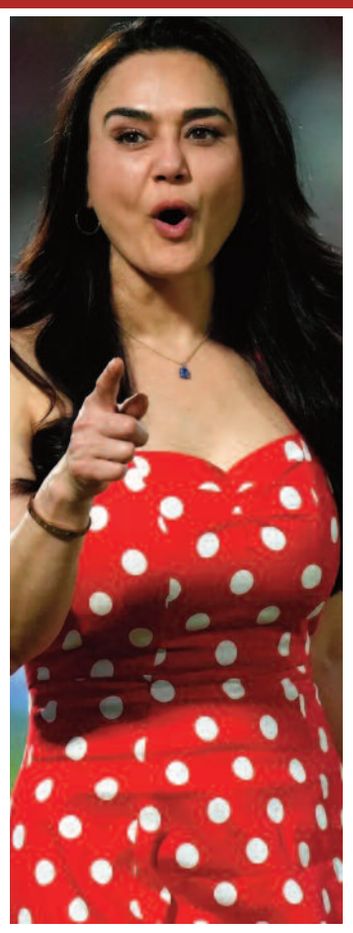

प्रीति जिंटा का खुलासा : आर्मी पार्टी में जाने के लिए बदला था रूप

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने रेंडेज़वस विद सिमी गरेवाल शो में बताया था कि वह बचपन में बहुत शरारती थीं और अपनी माँ को हमेशा परेशान करती रहती थीं। एक खास घटना को याद करते हुए, वीर-ज़ारा की एक्ट्रेस ने होस्ट सिमी गरेवाल को बताया कि जब उन्हें आर्मी पार्टी में जाने की इजाज़ जैसा नहीं मिली,तो उन्होंने क्या किया। प्रीति ने कहा,जैसा कि आप जानते हैं,आर्मी में 18 साल से कम उम्र के बच्चों को आर्मी पार्टी में जाने की इजाज़त नहीं होती है,और मुझे यह जानने की उत्सुकता थी कि उन दरवाज़ों के पीछे क्या हो रहा है। इसलिए, मैंने एक बार अपनी माँ से कहा कि मैं भी इस पार्टी में जाना चाहती हूँ। उन्होंने मना कर दिया और कहा कि 18 साल से कम उम्र के बच्चों को इजाज़त नहीं है,और उस समय मैं शायद 12 साल की रही होऊँगी। तो,प्रीति अपनी माँ की अलमारी के पास गईं और उनकी ब्रा निकाल ली। उन्होंने उसमें संतरे भी भर लिए। छोटी प्रीति उस क्लब में गईं जहाँ पार्टी हो रही थी और बाहर खड़ी हो गईं, यह दिखावा करते हुए कि वह 18 साल से ज़्यादा उम्र की हैं। वहाँ मौजूद व्यक्ति ने बस उन्हें देखा और प्रीति के पिता को बुला लिया, जो उस समय आर्मी में मेजर थे। प्रीति ने शो में आगे बताया कि जब उनकी माँ को पता चला कि उन्होंने असल में क्या करने की कोशिश की थी,तो वह उन पर बहुत गुस्सा हुईं। उन्होंने बताया,वह मुझसे बहुत नाराज़ हो गईं। काम की बात करें तो,प्रीति ने पीरियड ड्रामा बंटवारा 1947 से बड़े पर्दे पर वापसी की,जिसमें उन्होंने सनी देओल,शबाना आज़मी, करण देओल,अली फ़ज़ल,अभिमन्यु सिंह,खुशी हज़ारे और कनिका कपूर के साथ काम किया। माना जाता है कि बंटवारा 1947 असगर वजाहत के नाटक जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ई नई (लाहौर का अनुभव करना एक संतोषजनक जीवन के लिए इतना ज़रूरी है कि इसे न देखना असल में न जीने या पैदा न होने जैसा है) पर आधारित फिल्म है।

पोस्टर में करीना कपूर के इंटेंस लुक ने उड़ाए होश

दायरा फिल्म के निर्माताओं ने करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन के नए सोलो पोस्टर जारी किए हैं, जिसमें दोनों डीसीपी के इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। दायरा के निर्माताओं ने करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन के नए सोलो पोस्टर जारी किए हैं। फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है और दर्शक इसकी पहली झलक के बाद से ही उत्साहित नजर आ रहे हैं।

डीसीपी के रोल में नजर आएंगी करीना

करीना कपूर डीसीपी अजूनी कोहली और पृथ्वीराज डीसीपी रमन कुमार के रूप में एकदम अलग अंदाज में नजर आए। डीसीपी के तौर पर नजर आ रही करीना कपूर की इंटेंस नजरे उनके लुक पर बेहद सूट कर रही थीं। ऐसा लग रहा था मानों वो नो-नॉनसेंस एटिट्यूड वाला इशारा दे रही हों। पीछे तेजी से गुजरते ट्रक्स पोस्टर में अर्जेंसी, मूवमेंट और मिस्ट्री का माहौल पैदा करते हैं।

साथ में नजर आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन

वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन बतौर डीसीपी रमन कुमार कम बोलते हैं,लेकिन उनका असर उतना ही दमदार है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच,दूर तक फैले ग्रास फील्ड की बैकड्रॉप में नजर आ रहे रमन कुमार के पोस्टर में एक टेंस मोमेंट की झलक मिलती है। उनका सख्त चेहरा और भीतर सुलगती इंटेंसिटी इस बात का इशारा देती है कि इस शांत चेहरे के पीछे गुस्सा किस कदर उबल रहा है।

बंदर का ओटीटी पर कहर,मर्दों के दर्द को दर्शाती कहानी,जेएफएफमें बॉबी देओल ने कहा...ऐसे कैरेक्टर कम मिलते हैं...

बॉबी देओल की फिल्म बंदरने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक बहस छेड़ दी है। अनुराग कश्यप ने एक मर्द झूठे केस के बाद किन स्थितियों का सामना करता है इसे फिल्म में बताया है। बॉबी देओल ने करियर की दूसरी पारी में अपने लिए चुनौतीपूर्ण किरदार चुने। वह आगामी दिनों में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं, लेकिन फिलहाल जिस फिल्म को लेकर वह सोशल मीडिया पर एक बार फिर से छा चुके हैं वह है बंदर। 5 जून को सिनेमाघरों में आई अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी बंदर 28 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की गई। बॉबी देओल की इस फिल्म ने आते ही ओटीटी पर ऐसा कहर मचाया है कि सोशल मीडिया पर बस फिल्म की कहानी की ही चर्चा हो रही है। आप किस प्लेटफॉर्म पर बंदर को देख सकते हैं और फिल्म फेस्टिवल 2026 में बॉबी देओल ने अपनी बंदर के किरदार पर क्या कहा,जानें।

मर्दों के नजरिए से फिल्म में दिखाई है कहानी

बंदर मंकी इन अ केज अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी अंदर तक झकझोर कर रख देने वाली एक क्राइम थ्रिलर है। जिसमें मीटू मूवमेंट, झूठे आरोपों की बहस और भारतीय जेलों की अमानवीय परिस्थितियों के बारे में बताया गया है। कहानी 50 साल के स्टार समर (बॉबी देओल) की है, जिसकी शादी नहीं हुई है। टीवी

धारावाहिकों की वजह से उसकी पहचान है, लेकिन धीरे-धीरे उसका स्टारडम दम तोड़ने लगता है और मजबूरन वह शादियों में गाता है। एक दिन वह अपने घर पर होता है, तो अचानक उसे पुलिस गिरफ्तार करके ले जाती है। हैरान-परेशान समर को पुलिस बताती है कि उसकी गर्लफ्रेंड ने उस पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। समर खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश में लगा होता है। धीरे-धीरे उसकी जिंदगी की परतें खुलती हैं। दोनों एक डेटिंग एप के जरिए मिले होते हैं। समर अपनी बहन सुहानी मेहरा (सान्या मल्होत्रा) की मदद से वकील करता है। रिश्ता टूटने से आहत गायत्री समर पर बलात्कार का आरोप लगा देती है। स्थिति और खराब इसलिए हो जाती है क्योंकि समर उस रिश्ते के दौरान लगभग बेपरवाह रहा होता है, जिसकी वजह से उसे वह बातें याद नहीं रहती, जो उसे सही साबित कर सके। जेल में समर को शारीरिक ही नहीं मानसिक प्रताड़ना भी झेलनी होती है। जेल के अंदर कैदियों में भी गुटबाजी होती है। समर की जिंदगी इन हालातों से किस प्रकार जूझती है, यही फिल्म का मुख्य कथानक है।

बॉबी देओल बोले- अलग शेड्स के रोल चाहता हूं

फिल्म फेस्टिवल 2026 के मौके पर जब बॉबी देओल की फिल्म बंदर की ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मिल रहे रिस्पांस के बारे में पूछा गया, तो एक्सक्लूसिव बातचीत में अभिनेता ने कहा,ऐसे मौके बहुत ही कम मिलते हैं, ऐसे कैरेक्टर बहुत कम मिलते हैं, तो मैं एक एक्टर के तौर पर जब से ओटीटी पर मैंने अपना नया करियर शुरू किया है, तब से मैं ये चाह रहा हूं कि मुझे ऐसे किरदार मिले, जिसमें मैं अलग शेड्स दिखा पाऊं। बॉबी देओल ने आगे कहा,बंदर जैसी फिल्म मिलने के कारण मैं खुद को लकी मानता हूं। जो कोई सोच नहीं सकता वैसा किरदार निभाना और खास तौर पर जब आप उसमें थोड़ी कामयाबी पाते हैं, तो आपको उसमें और अवसर मिलने लगते हैं।

नागार्जुन की 100वीं फिल्म किंग100 की रिलीज डेट तय

एक्टर नागार्जुन अक्किनेनी की 100वीं फिल्म, जिसे आर ए कार्तिक डायरेक्ट कर रहे हैं,के मेकर्स ने शनिवार को घोषणा की कि फिल्म का टाइटल किंग100 रखा गया है और यह इस साल 24 दिसंबर को दुनिया भर में रिलीज़ होगी। यह घोषणा अन्नपूर्णा स्टूडियोज़ ने की,जो शनिवार को नागार्जुन के जन्मदिन के मौके पर फिल्म को प्रोड्यूस कर रहा है। मेकर्स ने इस खास मौके पर फिल्म की पहली झलक भी जारी की, जिसका लंबे समय से इंतज़ार था। एक साल तक चले प्रोडक्शन के दौरान इस फिल्म को काफी हद तक गुप्त रखा गया था और यह अब तक लाइमलाइट से दूर रही। शनिवार को जारी की गई पहली झलक फिल्म के मेकर्स के स्केल,स्टाइल और सिनेमैटिक महत्वाकांक्षा की एक बोल्ड और दमदार तस्वीर पेश करती है। डेढ़ मिनट से ज़्यादा की इस झलक में नागार्जुन अक्किनेनी को एक स्टाइलिश और भव्य अवतार में दिखाया गया है, जिससे दर्शकों को उनके किरदार और फिल्म की दुनिया की पहली झलक मिलती है।

खेल समाचार

महिला टी 20 एशिया कप 2026 में आज थाइलैंड के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी भारतीय टीम

महिला टी 20 एशिया कप 2026 में भारतीय टीम आज दुबई में थाइलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी...हालिया खराब फॉर्म से उबरने के लिए भारत जीत के इरादे से उतरेगा...

नई दिल्ली,29 अगस्त 2026। भारतीय महिला क्रिकेट टीम आज दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में महिला टी 20 एशिया कप के अपने पहले ग्रूप ए मुकाबले में थाइलैंड का सामना करेगी। इस साल 16 टी 20 आई में से 9 मैच हारने और टी 20 विश्व कप के ग्रूप स्टेज से बाहर होने के बाद भारतीय टीम एशिया कप के जरिए जीत की पटरी पर लौटने के इरादे से उतरेगी। इतिहास भारत के पक्ष में है, जिसने 2016-17 से अब तक आयोजित पांच टी 20 सीजन में से तीन बार खिताब अपने नाम किया है।

टीम इंडिया की रणनीति

जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में मध्यक्रम की जिम्मेदारी प्रति के रावत पर होगी, जबकि स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा सलामी जोड़ी के रूप में शुरुआत करेंगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर के प्रदर्शन पर सभी की निगाहें होंगी। स्पिन आक्रमण की कमान अनुभवी दीप्ति शर्मा, श्री चरणी और राधा यादव संभालेंगी, जबकि तेज गेंदबाजी का नेतृत्व रेणुका सिंह ठाकुर करेंगी।

दूसरी ओर, थाइलैंड की टीम हांगकांग के खिलाफ अपने पहले मैच में 6 रनों की रोमांचक जीत दर्ज करने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज है। थाइलैंड की कप्तान नारुमोल चाईवाई (43 रन) और गेंदबाज ओनिचा कामचोमफू (3/27) शानदार फॉर्म में हैं। आठ टीमों के इस एशिया कप के ग्रूप ए में भारत के साथ थाइलैंड, हांगकांग और पाकिस्तान शामिल हैं। भारत और थाईलैंड के बीच होने वाले मुकबाले के फैंस भारत में टीवी पर सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क (टेन 1, टेन 3, टेन 4, टेन 5) पर हिंदी,अंग्रेजी,तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में देख सकेंगे। इस मुकाबले की ऑनलाइन लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव ऐप और वेबसाइट पर की जाएगी।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान),स्मृति मंधाना (उप-कप्तान),भारती फुलमाली,रिचा घोष (विकेटकीपर),गुनालायन कमलिनी (विकेटकीपर),प्रतिका रावत,शेफाली वर्मा,दीप्ति शर्मा,क्रांति गौड़, प्रेमा रावत,अरुंधति रेड्डी,रेणुका सिंह ठाकुर,नंदिनी शर्मा,श्री चरणी,राधा यादव।

थाइलैंड : नारुमोल चाईवाई (कप्तान),नन्नापत चाईहान,नत्थाकन चंथम,नाओमी हिल्टन, नन्नापत कोंचारोएनकाय (विकेटकीपर),ओनिचा कामचोमफू,फन्निता माया,चनिदा सुथिरुआंग, अफिसरा सुवांचोराथी,सुनिदा चतुरेंगरात्ना, चायानिसा पेंगपेन,सुलीपॉर्न लाओमी,थिपत्चा पुत्थावोंग,थानराडा सीसावान,कोरनिट सुवांचोनराथी।

जोआन हिक्सबनी बनी 5 विकेट हॉल लेने वाली सबसे उम्रदराज प्लेयर

मेलबर्न,29 अगस्त 2026। इंटरनेशनल क्रिकेट में एक तरफ जहां कई युवा खिलाड़ी वर्ल्ड रिकॉर्ड को लगातार चकनाचूर करते हुए नजर आ रहे हैं, तो वहीं एक लाख से कम आबादी वाले देश आइल ऑफ मैन की महिला क्रिकेट खिलाड़ी जोआन हिक्स ने 51 साल उम्र में एक ऐसा कारनामा किया है, जिसके दम पर वह 94 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने में कामयाब हो गई। जोआन हिक्स अब इंटरनेशनल क्रिकेट में महिला और पुरुष दोनों में किसी मुकाबले में 5 विकेट हॉल लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। जोआन हिक्स ने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के बर्ट आयरनमोंगर जिनके नाम पहले यह रिकॉर्ड था उसको तोड़ने में कामयाब हो गई हैं।

आइल ऑफ मैन की महिला खिलाड़ी जोआन हिक्स को लेकर बात की जाए तो उन्होंने 47 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था,जिसके बाद अब 51 साल 173 दिन की उम्र में वह इतिहास रचने में कामयाब रही हैं। जोआन हिक्स ने ग्रीस विमेन के खिलाफ मुकाबले में खेलते हुए दाएं हाथ की इस ऑफ स्पिन गेंदबाज ने अपने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट करियर में जैसे तीसरी बार 5 विकेट हॉल पूरा किया उसी के साथ वह रिकॉर्ड बुक को बदलने में कामयाब हो गई। ग्रीस विमेन के खिलाफ मैच में जोआन हिक्स ने सिर्फ 10 रन देने के साथ 5 विकेट हासिल किए जो उनके करियर का अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है।

टीम इंडिया में मौका नहीं मिला तो नई चुनौती के लिए तैयार गुरनूर बराड़

नई दिल्ली,29 अगस्त 2026। भारतीय क्रिकेट में युवा खिलाड़ियों के बीच लगातार प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन हर किसी को तुरंत मौका नहीं मिल पाता। ऐसे ही एक युवा खिलाड़ी गुरनूर बराड़ को भारतीय प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली, जिसके बाद अब वह दूसरी टीम के लिए मैदान पर अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। गुरनूर बराड़ को घरेलू और टी20 क्रिकेट में अपनी ऑलराउंड क्षमता के लिए जाना जाता है। वह गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देने की क्षमता रखते हैं। अब उनकी नजर आगामी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचने पर होगी।

भारतीय टीम में जगह के लिए बढ़ी प्रतिस्पर्धा

टीम इंडिया में इस समय युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। ऑलराउंडर और तेज गेंदबाजी विकल्पों की भरमार के कारण कई होनहार खिलाड़ियों को इंतजार करना पड़ रहा है। गुरनूर बराड़ ने घरेलू क्रिकेट और लीग टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाई है, लेकिन भारतीय प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना उनके लिए आसान नहीं रहा। टीम संयोजन, खिलाड़ियों की भूमिका और परिस्थितियों के आधार पर अंतिम ग्यारह का चयन किया जाता है। इसी वजह से कई बार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद खिलाड़ियों को बाहर बैठना पड़ता है।

अब इस टीम के लिए खेलेंगे गुरनूर

भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने के बाद गुरनूर बराड़ अब अपनी नई टीम के साथ मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं। वह आगामी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करके अपनी क्षमता साबित करना चाहेंगे। उनके लिए यह मौका काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है,क्योंकि अच्छा प्रदर्शन उन्हें भविष्य में राष्ट्रीय टीम के दरवाजे तक पहुंचा सकता है। युवा खिलाड़ी जानते हैं कि घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन ही टीम इंडिया में जगह बनाने का सबसे बड़ा रास्ता है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग रामानुजगंज

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-3334/NIT-4/2026-2027/ व0ले0लि दिनांक : 25/08/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:-	03/09/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :-	26/05/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :-	28/05/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे से
निविदाकारों की श्रेणी :-	ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ' तक
निविदा प्रपत्र की कीमत (रु. में) :-	750/-
कार्य की अवधि :-	01 माह वर्षा ऋतु सहित

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु.मे) बैंक सेल्वेन्सी (रु.मे
1	2	3
T0015	जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के जे.टी.एफ. कैम्प पुन्दाग से नवीन कैम्प झोलडेरा तक मार्ग 5.40 कि.मी. मार्ग में डीजीपीएस सर्वे कार्य । प्रथम आमंत्रण	9.80, 7350.00 150000.00

निविदा शर्तें -

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.pwd.cg.nic.in में Live Tende के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग रामानुजगंज

जी0नं0 -262703002/4

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

आगामी तिथि /18/9/2026 इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक श्रीमति रश्मि पति गोविंद राम, उम्र लगभग 35 वर्ष निवासी साहूपारा वार्ड क्र 05 सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2008 /2 रकबा क्रमशः 824 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा /आपत्ति दिनांक 18/9/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 14/8/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
,सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

आगामी तिथि /18/9/2026 इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक श्रीमति गीता साहू पति दिनेश साहू, उम्र लगभग 35 वर्ष निवासी साहूपारा वार्ड क्र 05 सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2009/2 रकबा क्रमशः 823.50 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा /आपत्तिं दिनांक 18/9/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 14/8/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
,सूरजपुर

नमूना सहायक से FSO पदोन्नति पर दीपक अग्रवाल से सीधा सवाल...

प्रावधान है तो Rule 2.1.3 की पूरी पात्रता और प्रशिक्षण का परीक्षण दिखाइए?

दीपक अग्रवाल से सवाल....यदि नियम है तो दिखाइए और नमूना सहायक से FSO पदोन्नति का वैधानिक आधार क्या,Rule 2.1.3 की कसौटी पर हुई थी जांच?

दीपक अग्रवाल से सवाल-पदोन्नति आदेश के साथ पात्रता,अनिवार्य प्रशिक्षण और नियमों के अनुपालन का रिकॉर्ड भी सार्वजनिक हो...

- 6 मई को बदला नियम,11 अगस्त को 13 पदोन्नतियां–खाद्य विभाग में इत्तिफाक या पहले से तैयार था रास्ता?
- खाद्य विभाग में पदोन्नति का खेल? 6 मई की अधिसूचना और 11 अगस्त के आदेश ने बढ़ाई हलचल...
- 10 से 25 प्रतिशत पदोन्नति कोटा, फिर 13 नमूना सहायक बने खाद्य सुरक्षा अधिकारी–नियमों पर सवाल...
- पदोन्नति से पहले बदला नियम या नियम के बाद मिली राह? 6 मई और 11 अगस्त के आदेश आमने-सामने...
- 13 पदोन्नतियों ने खोली खाद्य विभाग की फाइल : नियम,योग्यता और डीपीसी पर उठे सवाल...

-न्यूज डेस्क-

रायपुर,29 अगस्त 2026 (घटती-घटना)। दैनिक घटती-घटना की मुहिम के तहत छत्तीसगढ़ खाद्य एवं औषधि प्रशासन से जुड़े कई मामले की पड़ताल सामने आई है, जिसमें सरकारी सेवा की सामान्य पदोन्नति प्रक्रिया से कहीं अधिक बड़े सवाल छिपे दिखाई दे रहे हैं,मामला 11 अगस्त 2026 को जारी उस आदेश का है,जिसके माध्यम से विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा के आधार पर 13 नमूना सहायकों को खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया,उपलब्ध दस्तावेज में इन कर्मचारियों को अलग-अलग जिलों में पदस्थ करने का उल्लेख है और पदोन्नति के साथ वेतन स्तर में भी बदलाव दर्ज है।

पहली नजर में यह विभागीय कर्मचारियों की नियमित पदोन्नति का मामला लग सकता है, लेकिन जब इसके साथ 6 मई को पदोन्नति व्यवस्था में बदलाव की चर्चा,14 मई को 30 नमूना सहायकों की सीधी भर्ती का विज्ञापन और 11 अगस्त को उन्हीं संवर्ग के 13 कर्मचारियों को खाद्य सुरक्षा अधिकारी बनाए जाने की घटनाओं को एक साथ रखकर देखा जाता है,तब कई सवाल स्वतः सामने आते हैं,सबसे अहम सवाल है की क्या नमूना सहायक संवर्ग को खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर पदोन्नति का स्पष्ट वैधानिक रास्ता पहले से उपलब्ध था? यदि था तो उसकी मूल नियमावली कहां है? और यदि पदोन्नति कोटा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया गया था,तो उस बदलाव की अधिसूचना,राजपत्र और प्रभावी तिथि क्या है? इन सवालों का जवाब आरोपों से नहीं,बल्कि नियमों,अधिसूचनाओं, नोटशीट और विभागीय पदोन्नति समिति की कार्यवाही से ही मिल सकता है, मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि Food Safety Officer (FSO) सामान्य प्रशासनिक पद नहीं है, यह Food Safety and Standards Act, 2006 के तहत कार्य करने वाला नियामकीय पद है, अधिनियम की धारा 37 के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी की नियुक्ति निर्धारित योग्यता रखने वाले व्यक्ति की अधिसूचना के माध्यम से की जाती है,FSSAI के नियमों में भी इस पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता और प्रशिक्षण को अनिवार्य बताया गया है,यहीं से विवाद का मूल सवाल सामने आता है–क्या विभागीय पदोन्नति के लिए राज्य के सेवा नियमों का पालन भर पर्याप्त है या पदोन्नत व्यक्ति को केंद्रीय खाद्य सुरक्षा कानून और उसके अधीन बने नियमों की प्रत्येक अनिवार्य शर्त भी पूरी करनी होगी?

11 अगस्त का आदेश बना विवाद की नई वजह

उपलब्ध पदोन्नति आदेश के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा के आधार पर 13 नमूना सहायकों को खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया,आदेश में पदोन्नति के साथ नई पदस्थापना और वेतनमान का भी उल्लेख है,सार्वजनिक रिपोर्टों में इन 13 कर्मचारियों के नाम सामने आए हैं और पदोन्नति के बाद उन्हें अलग-अलग जिलों में पदस्थ किए जाने की जानकारी दी गई है,पदोन्नति के बाद वेतन संरचना में भी परिवर्तन बताया गया है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार नमूना सहायक के पद पर ग्रेड पे 1900 रुपये था,जबकि खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर ग्रेड पे 2800 रुपये बताया गया है,इसलिए सवाल सिर्फ यह नहीं है कि 13 कर्मचारियों को पदोन्नति क्यों दी गई, असली सवाल यह है कि डीपीसी ने किस नियम, किस पात्रता,किस सेवा अवधि और किस शैक्षणिक योग्यता के आधार पर प्रत्येक कर्मचारी को पात्र माना?

6 मई से 11 अगस्त तक का घटनाक्रम क्यों बना चर्चा का विषय?

इस पूरे प्रकरण को समझने के लिए घटनाक्रम की तारीखों को अलग-अलग देखना जरूरी है, उपलब्ध दस्तावेजी सामग्री में पदोन्नति कोटे को लेकर यह सवाल सामने आया है कि क्या पहले निर्धारित 10 प्रतिशत पदोन्नति हिस्से को बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया गया,इस बदलाव की प्रमाणित प्रति, राजपत्र अथवा मूल आदेश को लेकर सूचना मांगी गई है,उपलब्ध 11 अगस्त के आदेश में इस कथित संशोधन की मूल अधिसूचना संलग्न नहीं है,इसलिए इसकी पुष्टि मूल शासन आदेश से ही हो सकती है, इसके बाद मई 2026 में नमूना सहायक के 30 पदों पर सीधी भर्ती का विज्ञापन जारी होने की जानकारी सामने आती है,उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार इस पद के लिए विज्ञान संकाय से हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण होने की योग्यता तथा चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और मेरिट का प्रावधान था,फिर 11 अगस्त को विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा के आधार पर 13 नमूना सहायकों को खाद्य सुरक्षा अधिकारी बनाया गया,यह क्रम अपने आप में किसी अनियमितता का प्रमाण नहीं है,लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से यह सवाल जरूर खड़ा करता है कि विभाग की मानव संसाधन नीति आखिर क्या है?

मई में 30 नमूना सहायकों की भर्ती,अगस्त में पदोन्नतियां...नीति क्या कहती है?

विवाद को और दिलचस्प बनाता है विभाग का मानव संसाधन पैटर्न,उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार इसी वर्ष विभाग ने 30 नमूना सहायक पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू की, इस भर्ती में नमूना सहायक पद के लिए विज्ञान संकाय से 12वीं उत्तीर्ण जैसी योग्यता का उल्लेख बताया गया है, दूसरी ओर अगस्त में 13 पुराने नमूना सहायकों को खाद्य सुरक्षा अधिकारी बनाया गया, यह दोनों प्रक्रियाएं अपने आप में विरोधाभासी होना जरूरी नहीं हैं,विभाग को एक साथ नए नमूना सहायकों की जरूरत भी हो सकती है और पात्र पुराने कर्मचारियों को पदोन्नति भी दी जा सकती है, लेकिन प्रशासनिक सवाल जरूर उठता है यदि विभाग को नमूना सहायकों की इतनी आवश्यकता है कि 30 पदों पर सीधी भर्ती करनी पड़ रही है, तो खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की रिक्तियों को भरने की दीर्घकालिक रणनीति क्या है? क्या FSO पदों पर सीधी भर्ती होगी? कितने पद रिक्त हैं? पदोन्नति से कितने पद भरे गए? और क्या पदोन्नति के बाद भी सीधी भर्ती का निर्धारित हिस्सा सुरक्षित रहेगा?

2011 के नियम खोलते हैं विवाद की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी...

इस मामले में उपलब्ध छत्तीसगढ़ खाद्य एवं औषधि प्रशासन (अराजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 2011 को देखा जाए तो तस्वीर कुछ अलग दिखाई देती है, इन नियमों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद के लिए मूल व्यवस्था में 90 प्रतिशत पद सीधी भर्ती और 10 प्रतिशत पद पदोन्नति से भरने का प्रावधान दर्ज है,वहीं Sampling Assistant यानी नमूना सहायक के पद के लिए 75 प्रतिशत सीधी भर्ती और 25 प्रतिशत पदोन्नति का प्रावधान दिया गया है, इससे यह दावा पूरी तरह सही नहीं होगा कि नमूना सहायक से खाद्य सुरक्षा अधिकारी बनने का रास्ता नियमों में था ही नहीं,उपलब्ध 2011 नियमों में ऐसा पदोन्नति चैनल दर्ज है, नियमों के अनुसार Sampling Assistant से Food Safety Officer पद पर पदोन्नति के लिए 10 वर्ष की सेवा और B.Sc. Chemistry जैसी पात्रता का उल्लेख है,इसी तरह नमूना सहायक के लिए 12वीं स्तर की शैक्षणिक योग्यता का प्रावधान भी नियमों में दिखाई देता है,यानी विवाद का सही सवाल यह नहीं है कि 'नमूना सहायक कभी FSO बन ही नहीं सकता था?' बल्कि असली सवाल यह है क्या 11 अगस्त 2026 की 13 पदोन्नतियों में प्रत्येक कर्मचारी ने उस समय लागू सभी शर्तें पूरी की थीं? और दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न यदि 10 प्रतिशत पदोन्नति कोटा बदलकर 25 प्रतिशत किया गया था, तो यह संशोधन किस अधिसूचना से, किस तारीख से और किन परिस्थितियों में प्रभावी हुआ?

क्या Food Safety Officer वास्तव में 'वैधानिक पद' है?

यहां शब्दों की शुद्धता भी महत्वपूर्ण है,Food Safety Officer की भूमिका Food Safety and Standards Act,2006 के अंतर्गत निर्धारित है, अधिनियम की धारा 37 के तहत Commissioner of Food Safety निर्धारित योग्यता रखने वाले व्यक्तियों को Food Safety Officer नियुक्त करता है और उन्हें संबंधित क्षेत्र सौंपा जाता है। अधिनियम की धारा 38 में FSO की शक्तियां निर्धारित हैं,जबकि धारा 41 में तलाशी, जब्ती और जांच से संबंधित शक्तियों का प्रावधान है,इसलिए FSO केवल विभागीय पदनाम नहीं है। इस पद पर आने वाला अधिकारी खाद्य सुरक्षा कानून लागू करने की जिम्मेदारी निभाता है,लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण कानूनी अंतर भी है,नमूना सहायक का पद यदि राज्य सेवा नियमों में विभागीय पद है,तो इसका यह अर्थ नहीं कि उस पद से FSO की पदोन्नति स्वतः अवैध हो जाएगी,उपलब्ध छत्तीसगढ़ के 2011 सेवा नियम स्वयं Sampling Assistant से Food Safety Officer तक पदोन्नति का चैनल दिखाते हैं,इसलिए विवाद को सही तरीके से देखने के लिए पद की प्रकृति से ज्यादा जरूरी है–पदोन्नति के समय लागू नियम और केंद्रीय कानून की पात्रता का अनुपालन।

केवल डिग्री हासिल कर लेना पर्याप्त नहीं– Food Safety and Standards Rules, 2011 के Rule 2.1.3 में Food Safety Officer के लिए निर्धारित योग्यता दी गई है,इसमें खाद्यशास्त्र Technology,Dairy Technology,Biotechnology, Oil Technology,Agricultural Science,Veterinary Sciences, Biochemistry, Microbiology में डिग्री,Chemistry में Master`s Degree या Medicine की डिग्री जैसी योग्यताएं शामिल हैं,इसके साथ निर्धारित प्रशिक्षण भी आवश्यक है,FSSAI ने राज्यों को स्पष्ट किया है कि Rule 2.1.3 में दी गई शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य है और Food Safety Officer को अधिसूचित किए जाने से पहले निर्धारित प्रशिक्षण पूरा करना भी जरूरी है, सुप्रीम कोर्ट ने भी 2025 के Chandra Shekhar Singh v. State of Jharkhand मामले में खाद्यशास्त्र की योग्यता के संदर्भ में यह स्पष्ट किया कि राज्य सरकार केंद्रीय नियमों द्वारा निर्धारित योग्यता के क्षेत्र को अपने स्तर पर बदल नहीं सकती,यानी यदि किसी कर्मचारी ने बाद में कोई डिग्री हासिल कर ली है तो केवल डिग्री होना ही पूरी प्रक्रिया को वैध नहीं बना देता, देखना होगा कि क्या कर्मचारी उस डिग्री के आधार पर Rule 2.1.3 की पात्रता पूरी करता था? क्या आवश्यक प्रशिक्षण पूरा था? क्या पदोन्नति की तारीख पर पात्रता मौजूद थी? और सबसे महत्वपूर्ण क्या धारा 37 के तहत आवश्यक नियुक्ति/अधिसूचना की प्रक्रिया पूरी की गई?

क्या क्लर्क या चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी डिग्री लेकर FSO बन सकता है?–यही सवाल इस विवाद का सबसे धारदार हिस्सा है, मान लीजिए किसी कर्मचारी का मूल पद क्लर्क है और वह बाद में M.Sc. Chemistry कर लेता है। क्या केवल इस डिग्री के आधार पर उसे Food Safety Officer बनाया जा सकता है? नहीं–सिर्फ डिग्री पर्याप्त नहीं होगी, उसे लागू सेवा नियमों में उस पद से FSO पद पर नियुक्ति/पदोन्नति का वैध मार्ग, निर्धारित सेवा-अवधि,अन्य पात्रता और केंद्रीय कानून के तहत आवश्यक शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण शर्तें पूरी करनी होंगी,इसी तरह किसी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी द्वारा डिग्री प्राप्त कर लेने से वह स्वतः FSO पद का अधिकारी नहीं बन जाएगा, यही कारण है कि 13 पदोन्नत कर्मचारियों की फाइल में मूल पद,नियुक्ति आदेश, सेवा अवधि, शैक्षणिक प्रमाणपत्र, वरिष्ठता,अनुभव, प्रशिक्षण और डीपीसी की अनुशंसा की जांच सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है।

डीपीसी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण–11 अगस्त का आदेश यदि डीपीसी की अनुशंसा पर आधारित है,तो डीपीसी की बैठक की कार्यवाही और नोटशीट सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बन जाती है, डीपीसी ने प्रत्येक कर्मचारी के मामले में क्या देखा? सेवा अवधि वरिष्ठता, मूल नियुक्ति, शैक्षणिक योग्यता, B.Sc. Chemistry या संबंधित पात्रता, प्रशिक्षण, गोपनीय चरित्रावली/सेवा अभिलेख, पदोन्नति कोटे की उपलब्धता, रिक्त पदों की स्थिति, लागू संशोधित नियम,तकनीकी पात्रता का परीक्षण किस अधिकारी या शाखा ने किया?,कितने पद उपलब्ध थे?,क्या कोई आपत्ति या शिकायत प्राप्त हुई? यदि शिकायत थी तो उसका परीक्षण कैसे हुआ? धारा 37 के तहत आवश्यक प्रक्रिया इन सभी बिंदुओं का परीक्षण हुआ या नहीं–यही अब जांच का केंद्र होना चाहिए।

अब विवाद का केंद्र 'पदोन्नति हुई या नहीं' नहीं,'कैसे हुई' है– खाद्य एवं औषधि प्रशासन का मूल उद्देश्य जनता को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य उपलब्ध कराना है। जिले में Food Safety Officer की भूमिका होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, खाद्य प्रतिष्ठानों, बाजार और खाद्य कारोबारियों की जांच से सीधे जुड़ी है,इसलिए अधिकारी की नियुक्ति और पदोन्नति की प्रक्रिया जितनी पारदर्शी होगी,विभाग की विश्वसनीयता उतनी ही मजबूत होगी, विभाग के पास यह कहने का अधिकार है कि 13 कर्मचारियों की पदोन्नति नियमों के अनुसार हुई है, लेकिन यदि ऐसा है तो उसे नियम,संशोधन अधिसूचना, डीपीसी की कार्यवाही, पात्रता परीक्षण और प्रशिक्षण संबंधी रिकॉर्ड सार्वजनिक कर देना चाहिए,क्योंकि दस्तावेज सामने आते ही कई सवालों का जवाब अपने आप मिल जाएगा, दूसरी ओर यदि किसी कर्मचारी की पात्रता, सेवा अवधि या प्रशिक्षण में कमी है, तो वह भी जांच में सामने आना चाहिए।

दैनिक घटती-घटना की मुहिम : सवाल व्यवस्था से है, कर्मचारियों से नहीं–13 नमूना सहायकों की पदोन्नति अपने आप में विवाद का प्रमाण नहीं है, विवाद का आधार वह प्रक्रिया है जिसके तहत यह पदोन्नति हुई, 6 मई की अधिसूचना से लेकर 11 अगस्त के आदेश तक की पूरी फाइल सामने आनी चाहिए, 2011 के भर्ती नियम बताते हैं कि Sampling Assistant से Food Safety Officer तक पदोन्नति का रास्ता मौजूद था,अब यह जांचना जरूरी है कि 2026 में उस रास्ते पर चलने वालों ने सभी अनिवार्य शर्तें पूरी कीं या नहीं,केंद्रीय कानून की धारा 37 और Rule 2.1.3 के तहत निर्धारित योग्यता एवं प्रशिक्षण को दरकिनार कर केवल विभागीय पदोन्नति नियम के आधार पर FSO बनाया जा सकता है या नहीं? यह भी रिकॉर्ड से स्पष्ट होना चाहिए, FSSAI की आधिकारिक व्याख्या शैक्षणिक योग्यता और प्रशिक्षण को अनिवार्य बताती है, इसलिए अब सबसे बड़ा सवाल यही है क्या 13 पदोन्नतियां नियमों

के अनुसार हुई हैं, या नियमों के साथ-साथ प्रत्येक कर्मचारी की वैधानिक पात्रता की भी पूरी जांच हुई है? इस सवाल का जवाब आरोपों से नहीं,6 मई की अधिसूचना,11 अगस्त के पदोन्नति आदेश,मूल भर्ती नियम,संशोधित नियम, डीपीसी की नोटशीट और 13 कर्मचारियों के पात्रता दस्तावेजों से मिलेगा,दैनिक घटती घटना की मुहिम यहीं से आगे बढ़ती है–पदोन्नति पर फैसला नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया की दस्तावेजी पड़ताल जारी है,बहुत जल्द और खुलासे होंगे।

16 जनवरी 2023 की अधिसूचना से उठता वैधानिक सवाल–16 जनवरी 2023 को भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में Rule 2.1.2 के तहत Designated Officer के पद के लिए Food Safety Officer के रूप में कम से कम पांच वर्ष के अनुभव को पात्रता में महत्व दिया गया,इससे यह स्पष्ट होता है कि उच्च वैधानिक पद पर पदोन्नति के लिए संबंधित वैधानिक पद का व्यावहारिक अनुभव महत्वपूर्ण माना गया है,वहीं Rule 2.1.3 में Food Safety Officer के लिए शैक्षणिक योग्यताओं का उल्लेख है, लेकिन सवाल यह है कि क्या नमूना सहायक जैसे किसी अन्य संवर्ग के पद पर कार्य करने का अनुभव FSO पद पर पदोन्नति के लिए स्वतः मान्य है? यदि नमूना सहायक को FSO का फीडर कैडर मानने का स्पष्ट प्रावधान है,तो संबंधित नियम,अधिसूचना और पदोन्नति प्रक्रिया सार्वजनिक की जानी चाहिए, मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि केंद्रीय अधिनियम की धारा 91 के तहत नियम बनाने और उनमें संशोधन का अधिकार केंद्र सरकार के पास है, ऐसे में राज्य स्तर पर किसी संवर्ग को FSO पद पर पदोन्नति के लिए पात्र बनाने से पहले यह स्पष्ट होना जरूरी है कि उसका आधार किस केंद्रीय नियम या विधिवत संशोधन में मौजूद है,सिर्फ शैक्षणिक योग्यता पूरी होना और वैधानिक रूप से निर्धारित फीडर कैडर का कर्मचारी होना एक ही बात नहीं है, इसलिए नमूना सहायक से FSO पद पर हुई पदोन्नति की वैधानिकता, अनुभव, पात्रता और प्रशिक्षण–इन सभी बिंदुओं की नियमों के आधार पर जांच जरूरी है।

अब सरकार और विभाग से सीधे 12 सवाल

- **पहला**–6 मई 2026 की अधिसूचना में वास्तव में क्या संशोधन किया गया?
- **दूसरा**–क्या Food Safety Officer पद पर पदोन्नति का कोटा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया गया?
- **तीसरा**–यदि हां,तो संशोधन किस तारीख से प्रभावी हुआ?
- **चौथा**–क्या 11 अगस्त की पदोन्नति सूची पूरी तरह संशोधित नियम के आधार पर तैयार हुई?
- **पांचवां**–13 कर्मचारियों में से प्रत्येक ने 10 वर्ष की आवश्यक सेवा पूरी की थी?
- **छठा**–प्रत्येक कर्मचारी की शैक्षणिक योग्यता Rule 2.1.3 से मेल खाती है?
- **सातवां**–क्या सभी पदोन्नत कर्मचारियों ने अनिवार्य प्रशिक्षण पूरा किया था?
- **आठवां**–क्या धारा 37 के तहत उनकी नियुक्ति/अधिसूचना की प्रक्रिया पूरी हुई?
- **नौवां**–डीपीसी की नोटशीट और अनुशंसा में इन बिंदुओं का परीक्षण दर्ज है?
- **दसवां**–विभाग में Food Safety Officer के कितने पद स्वीकृत और कितने रिक्त हैं?
- **ग्यारहवां**–मई 2026 में 30 नमूना सहायकों की भर्ती और अगस्त में 13 नमूना सहायकों की पदोन्नति–दोनों प्रक्रियाओं के पीछे मानव संसाधन योजना क्या है?
- **बारहवां**– क्या 13 पदोन्नतियों के बाद भी खाद्यशास्त्र के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती होगी?

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)